RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 61 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 14 दिसंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ-साथ चले आरबीआई के पूर्व गर्वनर रघुराम राजन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के अलग-अलग इलाकों से गुजर रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बुधवार को आरबीआई के पूर्व गवर्नर एन रघुराम राजन शामिल हुए। आरबीआई के पूर्व गर्वनर ने इस दौरान राहुल गांधी के साथ लंबी चर्चा की। टी ब्रेक तक लगातार दोनों बातचीत करते हुए साथ-साथ चल रहे थे। राहुल गांधी और रघुराम राजन के बीच आधे घंटे से ज्यादा समय बातचीत हुई। दोनों ने एक डॉक्यूमेंट्री के लिए आर्थिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। रघुराम राजन को यूपीए के दूसरे कार्यकाल में रिजर्व बैंक ऑफइंडिया का गवर्नर बनाया गया था।

शराबबंदी की फिर खुली पोल जहरीली शराब से 7 की मौत कई की हालत गंभीर

छपरा (एजेंसी)। शराबबंदी वाले बिहार में एक बार फिर एकमुश्त सात लोगों की शराब से मौत हुई है। परिजन जहरीली शराब से मौत का दावा कर रहे हैं, जबकि प्रशासन इस बारे में कुछ नहीं बोल रहा है। इस बार घटना सारण जिले के इसुआपुर थाना क्षेत्र के डोइला गांव में हुई है। डोइला के संजय सिंह (पिता- वकील सिंह), विचेन्द्र राय (पिता- नरसिंह राय), अमित रंजन (पिता- विजेंद्र सिन्हा) के अलावा मशरख थाना क्षेत्र के कुणाल सिंह (पिता- यदु सिंह), हरेंद्र राम (पिता- गणेश राम), रामजी साह (पिता- गोपाल साह) और मुकेश शर्मा (पिता- बच्चा शर्मा) की मंगलवार रात से बुधवार तक मौत हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर इलाज कर रहे कई लोगों की स्थिति गंभीर होने के कारण अभी मौतों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

पेंशन पर तकरार: केन्द्र का इस योजना को लागू करने से इंकार, सीएम भूपेश बघेल बोले-

पैसा कर्मचारियों का, भारत सरकार का नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बाद भी संकट खत्म नहीं हुआ है। भूपेश सरकार ने अधिसूचना जरूर जारी कर दी है, लेकिन अभी तक राज्य और केंद्र के बीच रार कायम है। उस पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने से साफ इनकार कर दिया है। ऐसे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि, पैसा राज्य के कर्मचारियों का है। उनका अंशदान है। इसमें भारत सरकार का एक भी पैसा नहीं है।

पैसा राज्य के कर्मचारियों का है

सीएम बघेल ने पुरानी पेंशन योजना को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि, पैसा राज्य के कर्मचारियों का है और राज्य का अंशदान है। जो केंद्रीय कर्मचारी हैं, उनका पैसा भारत सरकार के पास है। यह पैसा राज्य कर्मचारियों का है। इसके लिए हम लगातार मांग रहे हैं, लेकिन भारत सरकार नकारात्मक रवैया है। उन्होंने बताया कि, इसके लिए अधिकारियों को कहा है कि वे कर्मचारी संगठन के साथ बैठक करें।

हम पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि, बातचीत में क्या रास्ता निकल सकता है देखें। उस पर विचार-विमर्श करें। इसके बाद मेरे पास आएं। फिर जो कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की गई है, उसमें क्या हल निकल सकता है, इसे देखेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, हम पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। छत्तीसगढ़ के साथ ही राजस्थान, झारखंड भी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर चुके हैं।

लोकसभा में वित्त राज्यमंत्री ने दिया जवाब

दरअसल, लोकसभा में सोमवार को एआईएमआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पुरानी पेंशन योजना को लेकर सवाल पूछा था। इस पर वित्त राज्यमंत्री डॉ. भागवत कराड ने लिखित जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि इसे लागू करने का सरकार का कोई विचार नहीं है। कई राज्यों ने पुरानी पेंशन को लागू करने के लिए अपने स्तर पर नोटीफिक्रेशन जारी किया है। ऐसे में सरकार यह स्पष्ट करना चाहती है कि एनपीएस के पैसे वापसी का किसी तरह का प्रावधान नहीं है।

सीएम बघेल ने मार्च में की थी पुरानी पेंशन लागू करने की घोषणा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मार्च 2022 को पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने की घोषणा की थी। राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया और कर्मचारियों के वेतन में 10 फीसदी की हो रही कटौती को भी बंद कर दिया। सामान्य भविष्य निधि नियम के अनुसार 12 प्रतिशत राशि जीपीएफ के लिए काटी जाने लगी। राज्य सरकार ने जीपीएफ खाते भी एजी से लेकर वित्त विभाग को दे दिया।

कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे में अपने परिजनों को खो चुकी अन्नू को 15 लाख देगी कंपनी, प्रशासन ने दिये निर्देश

- कंपनी की लापरवाही से गई परिजनों की जान, कलेक्टर एवं एसपी ने रायल इंफ्रा कंपनी से चर्चा कर बच्ची की जिम्मेदारी उठाने कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे में अपने परिजनों को खो चुकी अन्नू देवांगन की पढ़ाई लिखाई एवं अन्य जरूरतों के लिए फ्लाईओवर का निर्माण कर रही कंपनी रायल इंफ्रा पंद्रह लाख रुपए की राशि प्रदान करेगी। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा एवं एसपी डा. अभिषेक पल्लव ने इस संबंध में कंपनी के प्रबंधन से चर्चा की और उन्हें बच्ची की परवरिश की जिम्मेदारी उठाने कहा।

अधिकारियों ने प्रबंधन से कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण की अनुबंध शर्तों में सुरक्षा संबंधी सभी बातों का पूरा ध्यान रखना शामिल था। कंपनी ने इस पर लापरवाही की जिससे यह गंभीर हादसा हुआ। इस हादसे में बच्ची ने अपने माता-पिता को खो दिया और अब उसके सामने परवरिश की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। इसके लिए उसके परवरिश का खर्च कंपनी उठाये।

इस पर चर्चा के पश्चात प्रबंधन ने पंद्रह लाख रुपए की राशि प्रदान करने की बात कही। कंपनी प्रबंधन गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा और एसपी डा. अभिषेक पल्लव की उपस्थिति में पंद्रह लाख रुपए की राशि का बिटिया का चेक परिजनों को प्रदान करेगा।

अमेरिका की इंट्री

चीन से भिड़ंत पर अमेरिका ने किया भारत का समर्थन, कहा- हर स्थिति पर पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच में तनाव चरम पर पहुंच गया है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनीसैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। उस कोशिश को भारतीय सैनिकों ने विफल तो कर दिया लेकिन जमीन पर स्थिति चिंताजनक बन गई। अब इस पूरे विवाद पर अमेरिका ने पहली प्रतिक्रिया दी है। कहा गया है कि ये राहत की बात है कि दोनों ही सेनाएं पीछे हट गईं।

अमेरिका ने भारत-चीन पर क्या बोला?

अमेरिका ने इस बात पर खुशी जाहिर की है कि समय रहते दोनों ही देशों की सेनाओं ने डिसइनगेजमेंट किया और स्थिति को नियंत्रण में रखा। जारी बयान में कहा गया कि इस बात की खुशी है कि दोनों ही सेनाएं समय रहते पीछे हट गईं। हम स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। हम दोनों भारत और चीन को बातचीत करने के लिए प्रेरित करते हैं, सीमाओं को लेकर जो भी विवाद है, बातचीत के जरिए समाधान किया जाए। इससे पहले चीन ने भी 9 दिसंबर की घटना पर अपना बयान जारी किया था। आक्रमक होने के बजाय चीन ने तब सिर्फ इतना कहा था कि भारतीय सीमा पर स्थिति 'स्थिर' है।

9 दिसंबर को हुआ क्या था?

9 दिसंबर की बात करें तो तवांग में भारतीय पोस्ट को हटवाने के लिए चीनी सैनिक आए थे। भारतीय जवानों ने देखा तो तुरंत मोर्चा संभाला और भिड़ गए। भारतीय जवानों को भारी पड़ता देख चीनी सैनिक पीछे हटे। इस हिंसक घटना में 6 भारतीय जवान घायल हुए हैं, चीन की तरफसे कोई आंकड़ा जारी नहीं हुआ है लेकिन बड़ी संख्या में उसके जवान जख्मी हैं। बताया जा रहा है कि भारत को पहले से ही भनक थी कि चीन तवांग की ओर बढ़ रहा है और वहां पर भारतीय पोस्ट पर कब्जा जमा सकता है। इस वजह से चीन की बड़ी सेना के सामने भारत की तरफ से भी बड़ी संख्या में जवान वहां तैनात कर दिए गए थे। नतीजा ये हुआ कि चीनी सैनिकों को मौके से खदेड़ दिया गया।

17 को मनाया जाएगा छत्तीसगढ़ गौरव दिवस, राज्य सरकार के चार साल पूरे होने पर होंगे कई आयोजन

- जनता के नाम संदेश देंगे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल
- गौठानों, प्राथमिक सहकारी सोसायटी, धान खरीदी केंन्द्रो में दी जाएगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार के 04 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर 17 दिसंबर को शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दिन राज्य के सभी गौठानों, सहकारी सोसायटी परिसरों, धान खरीदी केंद्रों, तेंदूपत्ता संग्रहण केंद्रों, वनोपज प्रबंधन समितियों के कार्यालय स्थलों, सभी जिलों में संचालित हाट-बाजारों, नगरीय क्षेत्रों के वार्डों में कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां दी जाएंगी। सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य की जनता के नाम संदेश भी देंगे।

छत्तीसगढ़ गौरव दिवस के आयोजन की जो रूपरेखा तैयार की गई है, उसके अनुसार राज्य के सभी गौठानों में 17 दिसंबर 2022 को सुबह 11 बजे किसानों, गौठान समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों, पशुपालकों, भूमिहीन मजदूरों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों के सदस्यों, राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों सहित स्थानीय निवासियों को आमंत्रित किया जाएगा एवं शासन द्वारा विगत 04 वर्षों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हासिल की गई उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही शासन की प्रमुख योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

दोपहर 3 बजे प्राथमिक सहकारी सोसायटी परिसर, धान खरीदी केन्द्रों पर किसानों को आमंत्रित करके शासन की कृषि संबंधी प्रमुख योजनाओं जैसे कि ब्याज मुक्त ऋण योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना इत्यादि की जानकारी उन्हें दी जाएगी। प्रदेश के वन क्षेत्रों में इसी दिन सुबह 11 बजे तेंदुपत्ता संग्रहण केन्द्रों एवं वनोपज प्रबंधन समिति के कार्यालय स्थलों पर भी किसानों एवं मजदूरों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सभी जिलों में संचालित हाट बाजार स्थलों में भी लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां दी जाएंगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने क्या जानकारी दी?

अभी के लिए जमीन पर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सदन में साफ कर दिया है कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी की वजह से चीनी सैनिकों पीछे खदेड़ दिया गया. उन्होंने कहा कि 09 दिसंबर 2022 को पीएलए सैनिकों ने अरुणाचल के तवांग सेक्टर के यांगत्से में एलएसी पर अतिक्रमण कर यथास्थिति को एकतरफा बदलने का प्रयास किया। चीन के इस प्रयास का हमारी सेना ने दृढ़ता के साथ सामना किया. इस दौरान दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। हाथापाई भी हुई. इस झड़प में दोनों ओर के कुछ सैनिकों को चोटें आईं. लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूं कि झड़प में हमारे किसी भी सैनिक की मृत्यु नहीं हुई और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ।

छत्तीसगढ़ी पर छलका नगीन तनवीर का दर्द

श्रीकंचनपथ

मध्यभारत के प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर की पुत्री नगीन तनवीर को छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी से गहरा लगाव है. वे बासी और अंगाकर रोटी की मुरीद हैं. उनके पिता के साथ काम करने वाले और उन्हें चाहने वाले रायपुर, भिलाई-दुर्ग और राजनांदगांव में आज रंगमंच को जीवित रखे हुए हैं. राजनांदगांव प्रवास के दौरान नगीन ने छत्तीसगढ़ की लुप्त होती संस्कृति पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी गीतों में भी अब हिन्दी का तड़का लग गया है. इनमें शुद्धता नहीं रही. फैशन के मारे लोग गोंदली, पनही, बंडी, अंगरखा, पपची सोहारी के विषय में नहीं जानते. खेतों में लोग अब ददरिया गाते हुए नहीं दिखाई देते. भड़ौनी, पंथी का भी लगभग लोप हो चुका है. थपड़ी पीटकर सुआ गाने वालों की संख्या में भी तेजी से गिरावट आई है. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति अब केवल तीज त्यौहारों में ही थोड़ा बहुत दिखाई देती है. वे ठीक कह रही हैं. विकास के क्रम में भाषा और संस्कृति बदलती है. स्कूलों में अनिवार्य संस्कृत शिक्षण के बावजूद संस्कृति विलुप्त हो रही है. जो लोग संस्कृत में कामकाज करते हैं, उनका भी उच्चारण अशुद्ध है. शायद लिखने में भी गलितियां करें. वैसे फिल्मों में हिन्दी का पुट समय सापेक्ष है. फिल्में बनाना कोई हंसी खेल का विषय नहीं है. फिल्मों को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए उन्हें ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाना होता है. इसमें भाषा के साथ थोड़ी छेड़छाड़ जरूर होती है पर उससे नए नए भाषा समुदायों का सम्पर्क भी बढ़ता है. हिन्दी फिल्मों की भोजपुरी का वास्तविक भोजपुरी से केवल टूटा-फूटा सा संबंध है. पर इस बहाने भोजपुरी का अच्छा खासा प्रसार हो गया. 1963 में शुरू हुई भोजपुरी सिनेमा आज दुनिया के लगभग 12 देशों में लोगों का मनोरंजन कर रही है. दरअसल, शिक्षा के साथ ही भाषा परिष्कृत और मार्जित हो जाती है. तालाब किनारे, पुल-पुलिया पर जिन दोहों-मुहावरों का प्रयोग किया जा सकता है, कदाचित उनका प्रयोग कक्षाओं में या मंच पर नहीं किया जा सकता. खान-पान पूरे देश-दुनिया का बदल रहा है. यह परिवर्तन की चाहत है. इसे रोकने की कोशिश करना समय का अपव्यय है. वैसे भी फैशन की तरह खान-पान और नृत्य-गीत भी लौट कर आते हैं. एक अर्से बाद जब ये लौटते हैं तो ये फिर से नए लगने लगते हैं. छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ियापन लौट रहा है. रायपुर के हिन्दी अखबारों के दफ्तर में भी अब छत्तीसगढ़ी बोलने वालों की अच्छी खासी संख्या है. गैर छत्तीसगढ़िया लोग भी संगत में छत्तीसगढ़ी सीखने लगे हैं, बोलने लगे हैं. यह एक सहज प्रक्रिया है. इसे जटिल बनाने की आवश्यकता नहीं है. पिछले चार सालों में सरकार ने छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान का जो राग छेड़ा है उसके चलते लुप्त हो चले छत्तीसगढ़ी गीत, मुहावरों, कहावतों, दोहों का दौर लौट रहा है. गढ़ कलेवा के नाम पर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का पुनरुद्धार हो रहा है. छत्तीसगढ़ी फिल्मों को हिन्दी सदृश बनाने का लभ यह हुआ है कि इसके दर्शक बढ़ रहे हैं. यह भाषा के विकास के लिए अच्छा है.

संपादकीय

चीन का दुस्साहस

यह सतर्क हो जाने का समय है। लाल सेना ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में एक बार फिर जो दुस्साहस दिखाया है, वह बताता है कि दो साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच जिस तरह की झड़प हुई थी, उससे चीन ने कुछ सीखा नहीं है। साथ ही, उसने अपने इरादों को बदला भी नहीं है। पिछले शुक्रवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जिस तरह से चीन के 300 से ज्यादा सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर हमारे एक पोस्ट पर कब्जा करने का प्रयास किया और फिर दोनों सेनाओं के बीच जिस तरह से हाथापाई हुई, वह कोई सामान्य घटना नहीं है। तवांग एक ऐसा इलाका है, जहां दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से निगरानी करती हैं। निगरानी दस्तों का कई बार आमना-सामना भी हो जाता है, लेकिन कुछ भी अप्रिय नहीं होता है। ये निगरानी दस्ते छोटे होते हैं और आमतौर पर वे अपनी हद में ही रहते हैं, लेकिन एकाएक 300 सैनिक अगर निकल पड़ते हैं, तो इसमें कुछ भी नियमित जैसा नहीं है। इसका एक ही अर्थ है कि किसी खास मकसद या रणनीति से उन्होंने यह कदम बढ़ाया है। कम-से-कम यह लाल सेना की स्थानीय टुकड़ियों के स्तर पर किया गया फैसला तो नहीं ही होगा। हालांकि, यह सब अप्रत्याशित भी नहीं है। पिछले कुछ साल में चीन ने जिस तरह से सीमा क्षेत्र में भारी बुनियादी ढांचा कायम किया है और गांव तक बसा दिए हैं, उसने भारत के सैन्य विशेषज्ञों के कान तो काफी पहले ही खड़े कर दिए थे। दुनिया भर के विशेषज्ञ अक्सर चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' नीति का जिक्र करते हैं। दक्षिण चीन सागर के इलाके में चीन जिस तरह से काबिज होने की कोशिश कर रहा है, उसकी व्याख्या इसी नीति से की जाती है। चीन पहले अपनी पूरी आक्रामकता के साथ एक बहुत छोटा-सा कदम बढ़ाता है और फिर कुछ समय के लिए रुककर शांत हो जाता है। इस तरह से वह धीरे-धीरे आगे बढ़ता जाता है। अंदेशा है कि चीन इसी नीति को भारत के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भी आजमा रहा है। गलवान और डोकाला में भी यही दिखाई दिया था। मुमकिन है कि मौसम को ध्यान में रखकर यह समय चुना गया हो। तवांग का यांगत्से क्षेत्र आने वाले कुछ ही समय में बर्फ की चपेट में होगा। बर्फबारी के इस मौसम में सीमा की गश्त भी आसान नहीं होती है। हो सकता है कि चीन उस स्थिति का फायदा उठाने के लिए थोड़ा पहले ही आगे बढ़ जाना चाहता हो। जो भी हो, भारतीय सेना ने चीन के इन इरादों को सिरे नहीं चढ़ने दिया। अच्छी बात यह भी है कि भारत ने पहले से ही उस इलाके में जवाबी बुनियादी ढांचा खड़ा करना शुरू कर दिया है। वहां सड़कें बनने लगी हैं, ताकि किसी भी हालात के लिए सेना के आवागमन को आसान बनाया जा सके, लेकिन फिलहाल हालात को शांत करने के लिए भारतीय सेना की कोशिश रंग लाती दिखी है। दोनों सेनाओं के स्थानीय अधिकारियों की फ्लैग मीटिंग के बाद तवांग का यांगत्से क्षेत्र शांत है। जिस तरह से भारतीय सेना ने प्रत्युत्तर दिया, उसके बाद चीन के पास इसके अलावा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन खतरा टला नहीं है और ऐसी साजिश फिर हो सकती है। पहले डोकाला और फिर गलवान जैसे उदाहरण यह बताते हैं कि चीन हर बार अपना दुस्साहस दिखाने के लिए कोई नया भूगोल चुन लेता है। हमारे लिए हर जगह, हर दम सतर्क रहना इसीलिए जरूरी है।

> दक्षिण चीन सागर के इलाके में चीन जिस तरह से काबिज होने की कोशिश कर रहा है, उसकी व्याख्या इसी नीति से की जाती है। चीन पहले अपनी पूरी आक्रामकता के साथ एक बहुत छोटा-सा कदम बढ़ाता है और फिर कुछ समय के लिए रुककर शांत हो जाता है। इस तरह से वह धीरे-धीरे आगे बढ़ता जाता है। अंदेशा है कि चीन इसी नीति को भारत के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भी आजमा रहा है। गलवान और डोकाला में भी यही दिखाई दिया था। मुमकिन है कि मौसम को ध्यान में रखकर यह समय चुना गया हो। तवांग का यांगत्से क्षेत्र आने वाले कुछ ही समय में बर्फ की चपेट में होगा।

कांग्रेस को अमेठी और रायबरेली की चिंता

कांग्रेस पार्टी और सोनिया गांधी के परिवार को दो पारंपरिक लोकसभा सीटों- अमेठी और रायबरेली की चिंता सता रही है। इन सीटों पर दशकों से परिवार का कब्जा रहा है लेकिन पिछले चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर राहुल गांधी को हरा दिया था। राहुल की टीम को पहले से इसका अंदाजा था इसलिए केरल की वायनाड सीट से भी वे चुनाव लड़े थे, जहां से अभी सांसद हैं। सो, अब बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी इस बार अमेठी से चुनाव लडेंगे या नहीं? अगर लड़ेंगे तो क्या एक ही सीट से लड़ेंगे या फिर अमेठी और वायनाड दोनों सीटों से लड़ेंगे?

ध्यान रहे नेहरू-गांधी परिवार का कोई भी सदस्य लगातार दो चुनाव नहीं हारा है। इंदिरा गांधी भी रायबरेली से हारी थीं तो चिकमगलूर से उपचुनाव में जीत गई थीं और उसके बाद फिर नहीं हारीं। सोनिया गांधी कोई भी चुनाव नहीं हारी हैं। राहुल भी 2004 से चुनाव लड़ रहे हैं और पहली बार 2019 में अमेठी से हारे। इसलिए परिवार यह जोखिम नहीं ले सकता है कि वे फिर से अमेठी लड़ें और हार जाएं। उत्तर प्रदेश की अभी जो स्थिति है, वह कांग्रेस के लिए बहुत अच्छी नहीं है। भाजपा हिंदुत्व की लहर पर सवार है और कांग्रेस व परिवार ने भी दोनों क्षेत्रों को छोड़ा हुआ है। दूसरी ओर भाजपा और स्मृति ईरानी दोनों क्षेत्र में सक्रिय हैं।

जहां तक रायबरेली का सवाल है तो यह लगभग तय है कि सोनिया गांधी इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगी। उनकी सेहत भी ठीक नहीं है और कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद वे लगभग संन्यास की स्थिति में हैं। अगर उनको सांसद बनना भी होगा तो शरद पवार की तरह राज्यसभा में चली जाएंगी। तभी माना जा रहा है कि उनकी सीट से इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ सकती हैं। उस सीट को लेकर कांग्रेस फिर भी भरोसे में है लेकिन अमेठी को लेकर पार्टी का भरोसा नहीं बन रहा है।

यह तय मानें कि इन दोनों सीटों पर भाजपा बड़ी लड़ाई बनाने का प्रयास करेगी। अगर प्रियंका और राहुल चुनाव लड़ते हैं या सिर्फ प्रियंका लड़ती हैं तब भी पार्टी घेराबंदी करेगी। कोई बड़ा और जुझारू उम्मीदवार उतारा जाएगा ताकि प्रियंका को उनके क्षेत्र में ही घेरा जा सके। कांग्रेस की एक चिंता यह भी है कि अगर राहुल गांधी फिर अमेठी नहीं लड़ते हैं तो कौन लड़ेगा? एक जमाने में जब परिवार का कोई सदस्य नहीं लड़ता था तो कैप्टेन सतीश शर्मा और संजय सिंह जैसे परिवार के करीबी लोग लड़ते थे। अब ऐसा कौन है, जिसको चुनाव लड़ाया जाए? कांग्रेस में इस बात पर विचार हो रहा है। क्या प्रियंका और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा दोनों चुनाव लड़ सकते हैं? इसका क्या मैसेज होगा, इस पर भी विचार हो रहा है। अगले कुछ दिन में कांग्रेस को तय करना है कि रायबरेली और अमेठी की दो सीटों से कौन लड़ेगा और फिर उसकी तैयारी शुरू करनी है।

> वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जहां-जहां हम लाभ की स्थिति में हैं, वहां-वहां चीन खुद को मजबूत बनाना चाहता है। यह उसकी पुरानी रणनीति रही है। तवांग में भी उसकी यही मंशा थी।

फिर कुछ निगलने की फिराक में ड्रैगन

जी जी द्विवेदी

चीन ने एक बार फिर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति बदलने की नाकाम कोशिश की है। इस बार उसने अरुणाचल प्रदेश के तवांग को निशाना बनाया है। एलएसी को लेकर चीन की सामरिक व रणनीतिक मंशा बिल्कुल स्पष्ट है। वह किसी भी तरह सीमावर्ती इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत बनाकर उनकी मौजूदा स्थिति (यथास्थिति) को न सिर्फ बदलना चाहता है, बल्कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जहां-जहां हम लाभ की स्थिति में हैं, वहां-वहां वह अपनी पकड़ बनाकर खुद को मजबूत बनाना चाहता है। यह उसकी पुरानी रणनीति रही है, और इस मकसद को पूरा करने के लिए वह नियंत्रण रेखा पर कुछ-न-कुछ हरकतें करता रहता है। उसकी इस नीति को मैं 'निबल ऐंड निगोशिएट' कहता हूं, यानी धीरे-धीरे निगलना, और फिर बातचीत की आड़ में अपनी हैसियत मजबूत बनाना। लद्दाख के इलाके हों या अरुणाचल प्रदेश के, हमने उसका यही रवैया देखा है।

साल 1993 और 1996 में हुए दो बड़े समझौतों के बाद यह माना जाने लगा था कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अब थोड़ी सी शांति आ गई है। 2003 व 2007 के समझौतों ने इस सोच को और मजबूती दी। मगर 2012 में जब चीन पर शी जिनपिंग का शासन शुरू हुआ, तब से बीजिंग का रुख काफी आक्रामक हो गया है। जिनपिंग का ख्वाब 'एक चीन' है, जिसके लिए जरूरी है कि विश्व शक्ति के रूप में चीन का उदय हो। इसके लिए उसका दो मोर्चों पर काम करना काफी जरूरी है। पहला, चीन को ताकतवर बनाना, और दूसरा, जो इलाके उसकी समृद्धि के लिए आवश्यक हैं, उनको किसी-न-किसी तरह अपने अधीन करना। 'कब्जा' करने का यह काम बातचीत के जरिये भी हो सकता है, और ताकत के बल पर भी। चूंकि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा को स्वीकार नहीं करता, इसलिए जिन-जिन सीमावर्ती इलाकों को वह सामरिक या रणनीतिक तौर पर अपने लिए मुफीद मानता है, वहां उकसाने की कार्रवाई करता रहता है।

इन इलाकों में सिर्फ तवांग नहीं है। सिक्किम से सटे डोकाला में भी 2017 में दोनों देश आपस में उलझ चुके हैं। इसी तरह, लद्दाख के गलवान, हॉटस्प्रिंग, डेमचोक, पैंगोंग त्सो जैसे क्षेत्रों में भी चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) मौका मिलते ही दखल करने लगती है। साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में इसी तरह तीन डिविजन पीएलए सैनिक आ गए थे, जिसके बाद गलवान की घटना घटी थी। हमारे जवानों ने उनका डटकर मुकाबला किया था।

तवांग की घटना चीन की इसी विस्तारवादी नीति का नतीजा है। अरुणाचल प्रदेश का यह इलाका सामरिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। 1962 में भी यहां घमासान लड़ाई हुई थी। अभी जो विवाद है, वह तवांग के एक पोस्ट को लेकर है, जिसका नाम है- यांगत्से। पहाड़ पर यही सामरिक नीति होती है कि जो जितनी ऊंची चोटी पर बैठा होता है, वह उतनी अधिक दूरी तक निगाह बनाकर रखता है, यानी तुलनात्मक रूप से उसका दबदबा कहीं अधिक होता है। यांगत्से भी ऐसा ही एक पोस्ट है, जो हमारी तरफ है, लेकिन चीन इस पर कब्जा करने की कोशिश में है। इसी नापाक मंशा के तहत उसके सैनिक 9 दिसंबर को यहां पहुंचे थे। उनकी संख्या करीब 300 थी, लेकिन हम भी तैयार बैठे थे। चीन के सैनिकों को देख हमारे जवानों ने मोर्चा संभाल लिया, जिस कारण उनको लहुलूहान होकर लौटना पड़ा।

भारत-चीन सीमा की खास बात यह है कि यहां हथियारों के साथ पेट्रोलिंग तो होती है, लेकिन सैनिक आमने-सामने होने पर हथियार उठाने से आमतौर पर बचते हैं। वे अमूमन हाथों का ही इस्तेमाल करते हैं, इसलिए उस दिन भी जमकर हाथापाई हुई, जिसमें दोनों तरफ के सैनिक घायल हुए हैं। चीनी सैनिकों के वापस लौटने के बाद फ्लैग मीटिंग हुई, जो इस तरह की घटनाओं के बाद आमतौर पर होती ही है। फिलहाल वहां स्थिति भारत के नियंत्रण में है, लेकिन अपने सेवा-काल में चीन की सीमा पर तैनाती के क्रम में मैंने जो महसूस किया है, उस आधार पर मेरा यही मानना है कि चीन अपनी हरकतों से शायद ही बाज आएगा।

पैंगोंग त्सो में बटालियन कमांडर के रूप में, अरुणाचल प्रदेश में इस्टर्न कमांड में डिविजन कमांडर के रूप में और इससे काफी पहले सिक्किम में यंग कैप्टन के रूप में तीन बार मैंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी सेवा दी है। उस समय एलएसी को शांत तो नहीं कह सकते थे, लेकिन आज जैसा तनाव नहीं था। उस समय कोई तनातनी नहीं होती थी। चीनी सैनिक अपने इलाकों में पेट्रोलिंग करते थे और हम अपने। एक मैकेनिज्म बना हुआ था। कोई झड़प नहीं। हालांकि, एक सच यह भी है कि उस समय हम वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास अपने इलाकों में बुनियादी ढांचों की बेहतरी पर शिद्दत से काम भी नहीं कर रहे थे। हमारी नीति आज से अलग थी। हमारी गतिविधियां उतनी ज्यादा नहीं थीं, जितनी पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हैं। वहां हम अब सड़कें बना रहे हैं। जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मगर इसकी वजह भी चीन ही है। 2012 के बाद से उसने जो आक्रामकता दिखाई है, हमें भी जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा है।

चीन दरअसल ताकत में विश्वास करता है। वह बल से अपनी बात मनवाने का पक्षधर है। जहां जिसकी जैसी ताकत देखता है, उस तरह का वह व्यवहार करता है। कमजोर देश को वह दबाने की कोशिश करता है, तो अपने से बलशाली राष्ट्र के सामने दो कदम पीछे हट जाता है। यही वजह है कि उसकी ईंट का जवाब हम अब पत्थर से देने लगे हैं। इसी से उसकी नापाक हरकतें बंद होंगी। अगर वह बातचीत में विश्वास करता, तो 1950 में कोरिया से जंग में नहीं उतरता, 1979 में वियतनाम से नहीं उलझता, दक्षिण चीन सागर में अपनी सीमा नहीं बढ़ाता, ताइवान पर दबाव नहीं बनाता। वह तानाशाही रवैया अपनाता है। वह खुद को सबसे ताकतवर देश बनाना चाहता है। उसके नेता शी जिनपिंग 'लौह पुरुष' की छवि पाना चाहते हैं। जाहिर है, हमें भी खुद को बलशाली बनाना होगा। सिर्फ सामरिक नहीं, आर्थिक व रणनीतिक रूप से भी हमें ताकतवर बनना होगा। सच यही है कि समग्र रूप से मजबूत भारत ही चीन का उचित जवाब है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत की जी20 अध्यक्षता, व्यवसायों के लिए एक अनूठा अवसर है

चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ

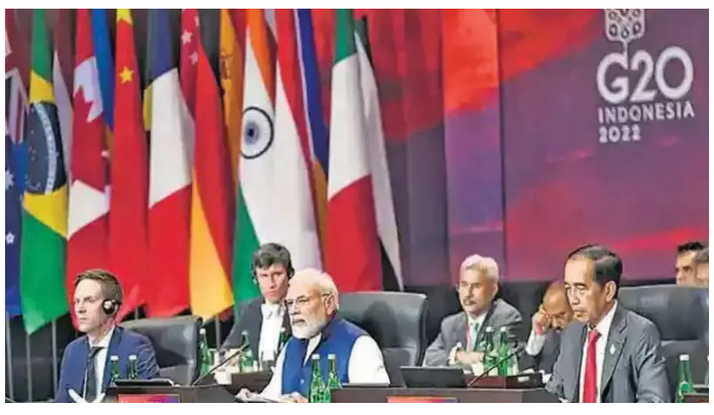

पिछले महीने बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान राजनेताओं की घोषणा में 'अद्वितीय बहुआयामी संकट' के बारे में बात की गई थी, जिसका वर्तमान में दुनिया सामना कर रही है। इसमें सार्वजनिक निवेश में वृद्धि करने के साथ-साथ निजी निवेश को बढ़ावा देने और बहुपक्षीय व्यापार को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। वैश्विक अर्थव्यवस्था, सतत विकास और डिजिटलीकरण से संबंधित इसकी कई नीतिगत कार्रवाइयां; जी20 के व्ययसाय संवाद समूह, व्यापार 20 (बी20) द्वारा की गई सिफारिशों के अनुरूप थीं।

भू-राजनीतिक संबंधों के प्रत्यक्ष बदलाव के समय में, जी20 अध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका वैश्विक स्थिरता और व्यापक आर्थिक समन्वय पर केन्द्रित होगी, क्योंकि राष्ट्र महामारी के बाद, यूक्रेन संघर्ष और जलवायु परिवर्तन से निपटने का प्रयास कर रहे हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की थीम समसामयिक चुनौतियों को देखते हुए पूरी तरह उपयुक्त है और यह सामान्य वैश्विक मुद्दों का सामना करने के सन्दर्भ में, पूरी दुनिया को साथ मिलकर काम करने के लिए एक मंच देती है। बाली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देते हुए कहा था, भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख होगी।

भारत ने शेरपा ट्रैक के तहत 13 कार्य समूहों का गठन किया है, जो रोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और व्यापार तथा निवेश समेत अन्य क्षेत्रों पर सिफारिशें प्रदान करेंगे। वित्त ट्रैक के तहत, जी20 के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक व्यापक आर्थिक विकास, आर्थिक जोखिम और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना तथा अन्य बातों पर चर्चा करेंगे।

भारत द्वारा रेखांकित की गयी प्राथमिकताएं, दुनिया के सामने मौजूद महत्वपूर्ण मुद्दों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जी20 देशों के बीच सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत ने व्यापार और निवेश, जलवायु परिवर्तन शमन तथा डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों को उल्लेखनीय रूप से प्रभावित किया है और देश आने वाले वर्ष में जी20 के नीतिगत निर्णयों को अंतिम स्वरूप देने के क्रम में एक बड़े विकासशील राष्ट्र के रूप में अपनी अंतर्दृष्टि का उपयोग कर सकता है।

वैश्विक व्यापार, 2022 की अपेक्षित विकास दर 3.5 प्रतिशत की तुलना में धीमा होकर 2023 में केवल 1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत आज उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) जैसी प्रगतिशील नीतियों, कारोबार में आसानी मिशन तथा अवसंरचना निर्माण, जिसने इसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के विविधीकरण में योगदान देने में सक्षम बनाया है, की मदद से एक वैश्विक विनिर्माण और व्यापार केंद्र के रूप में उभरा है। सतत विकास के सन्दर्भ में, भारत 2023 के जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष 5 पायदान वाले राष्ट्र के रूप में उभरा है, जो जी20 के बीच सबसे बेहतर है। भारत ने प्रमुख क्षेत्रों के लिए अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति पेश की है और नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ई-गतिशीलता और मिश्रित ईंधन में महत्वपूर्ण पहल कीं हैं, जो इसे अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं।

भारत में तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है, जो खुदरा, फिनटेक, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहा है। 1.17 बिलियन मोबाइल फोन ग्राहकों और 700 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत में अक्टूबर 2022 के दौरान यूपीआई पर 7 बिलियन लेन-देन हुए। देश ने अपने वैक्सीन मिशन के लिए भी डिजिटल तकनीक को सफलतापूर्वक लागू किया है।

इन क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व, आने वाले वर्ष में जी20 को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इसे दुनिया के व्यवसायों के सुझावों का समर्थन मिलेगा, जो जी20 संवाद समूहों के सबसे बड़े समूह, बी20 के तहत विचारों को विकसित करेगा। नामित बी20 सचिवालय के रूप में, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार सहित अन्य हितधारकों के परामर्श से, परिचर्चा के लिए नौ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित किया है।

व्यापार के लिए बी20 भारत की प्राथमिकताएं- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकरण, सेवा व व्यापार का विविधीकरण और अफ्रीकी साझा बाजार के अवसरों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। वित्तीय समावेशन के विस्तार के साथ वित्तपोषण व अवसंरचना के विकास की भी पहचान की गई है। प्रौद्योगिकी के तहत नवाचार और आरएंडडी, डिजिटल बदलाव और कार्य का भविष्य, कौशल निर्माण तथा मोबिलिटी जैसी प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बी20 के विचार-विमर्श से ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और संसाधन दक्षता आदि क्षेत्रों को भी बहुत लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत की जी20 अध्यक्षता के एक भाग के रूप में, भारतीय व्यवसायों के पास इस वर्ष अपने दृष्टिकोण को साझा करने और वैश्विक आर्थिक विकास एवं स्थिरता को बढ़ावा देने का एक अनूठा अवसर है। अपनी उद्यमशील प्रतिभा, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ, हम दुनिया को अपनी ताकत दिखा सकते हैं, क्योंकि बी20 भारत संवाद को अंतिम स्वरूप दिया जा रहा है।

कोचिंग की गलाकाट होड़ में असहाय न हो जाएं किशोर

हरिवंश चतुर्वेदी

हाल ही में कोटा (राजस्थान) के कोचिंग में पढ़ने वाले तीन किशोर उम्र के छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या ने हमें झकझोर दिया है। जरा सोचिए, बिहार और मध्य प्रदेश के मूल निवासी इन छात्रों के माता-पिताओं ने उन्हें कोटा में दाखिला दिलाने के लिए कैसे धन जुटाया होगा? उन्होंने अपने बेटों के भविष्य के बारे में न जाने कितने खूबसूरत सपने देखे होंगे? प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी सरकारें, समाज, शिक्षक और अभिभावक इन हादसों से कोई सबक ले पाएंगे?

हमारे देश में पढ़ाई के दबाव में युवा विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या की प्रवृत्ति नई बात नहीं है, पर पिछले दशक में इसमें बेतहाशा वृद्धि देखी गई है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की यह एक बड़ी विफलता नहीं है कि किशोर और युवा उम्र के विद्यार्थी परीक्षा में नाकामयाबी के भय से अपने जीवन को खत्म करने पर मजबूर हो जाते हैं?

कोटा और देश के अन्य स्थानों पर युवा विद्यार्थियों में बढ़ रही आत्महत्या की घटनाएं हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य, विशेष तौर पर अवसाद से पैदा होने वाले खतरों के प्रति एक गहरी उदासीनता प्रदर्शित करती हैं। युवाओं की अन्य शारीरिक बीमारियां परिजनों, मित्रों और शिक्षकों को कुछ संकेत जरूर देती हैं, किंतु मानसिक रोगों के संकेतों को समझ पाने की चेतना हम शायद अभी तक विकसित नहीं कर पाए हैं। मानसिक स्वास्थ्य का संकट भारत में ही नहीं, पूरे संसार में तेजी से दावानल की तरह फैल रहा है। कोविड के दौर में यह और व्यापक व सघन हुआ है। समाजशास्त्री, मनोचिकित्सक और विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बाबत चेतावनी देते रहे हैं। हमारे देश में कोटा शहर संगठित कोचिंग उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र है। यह देश में कोचिंग उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र कैसे बना, इसकी भी दिलचस्प कहानी है। 1991 के बाद के उदारीकरण के दौर में भारत के निर्माण उद्योगों का धीरे-धीरे पराभव होने से कोटा के उद्योग-धंधे रुग्णता का शिकार होते गए। वैसे यहां पर कोचिंग उद्योग की शुरुआत 1985 के आसपास हुई, जब जे के सिंथेटिक्स कंपनी में 1971 से कार्यरत इंजीनियर वी के बंसल ने बंसल क्लासेज के अंतर्गत आईआईटी की प्रवेश परीक्षा हेतु कोचिंग देना शुरू किया। पिछले दस साल में तो कोटा कोचिंग उद्योग के बाहुबलियों के लिए कॉरपोरेट जंग का अखाड़ा बन गया है।

यहां हर साल दो से तीन लाख विद्यार्थी प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। यहां किशोर और युवा विद्यार्थियों की बढ़ती आमद, छात्रावास में रहने के बुरे हालात और गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के माहौल में हजारों विद्यार्थियों का मोहभंग, अवसाद और फिर आत्महत्या की प्रवृत्ति का अच्छा चित्रण ओटीटी पर जारी कोटा फैक्टरी (2021) में किया गया था।

16-17 वर्ष के बच्चों का होस्टलों में रहना, कोचिंग में अति प्रतिस्पर्द्धी माहौल में पढ़ना, दोनों स्थानों पर खेलकूद व मनोरंजन की सुविधाओं की कमी और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के निदान हेतु डॉक्टरों व काउंसलर का अभाव यहां आम है। चौतरफा दबाव के माहौल में जी रहे इन बच्चों की ओर अगर अभिभावक, दोस्त, शिक्षक और कोचिंग संस्थान अपना हाथ न बढ़ाएं, तो उन्हें कैसे मजबूती मिलेगी? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि विद्यार्थियों में आत्महत्या के मामले पिछले दो वर्षों (2020-2022) में तेजी से बढ़े हैं। साल 2020 में 12,526 विद्यार्थियों ने खुदकुशी की, जिनकी संख्या 2021 में 13,089 हो गई। इसका मुख्य कारण परीक्षा का डर बताया गया था।

वर्ष 2017-18 में राज्य सरकार ने जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति नियुक्त की थी, पर धरातल पर कुछ नहीं दिखा। क्या स्वयं अभिभावक, शिक्षक या कोचिंग सेंटर बचाव के लिए ठोस पहल कर रहे हैं? विद्यार्थियों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति समाज, संस्कृति, शिक्षा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था की मूल विफलताओं से जुड़ी है। हम जब तक सफलताओं के साथ विफलताओं को भी सहजता से लेने वाला समाज नहीं बनाएंगे, तब तक समाधान नहीं निकलेगा। करोड़ों का मुनाफा कमाने वाली कोचिंग कंपनियों को अपनी जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। क्या नई शिक्षा नीति में इस आपदा से हमारी युवा पीढ़ी को बचाने की कोई योजना है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

भेंट-मुलाकात : मुख्यमंत्री बघेल बसना विधानसभा के ग्राम गोपालपुर पहुंचे

क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज महासमुंद जिले के बसना विधानसभा क्षेत्र के पिथौरा तहसील के गांव गोपालपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री बघेल का स्थानीय जनता ने फूल-माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गोपालपुर में क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की।

उन्होंने आमजनता के प्रशासनिक कार्यों में तेजी और सहूलियत को देखते हुए बसना में अनुविभागीय कार्यालय प्रारंभ करने घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम लाखागढ़ से राजा सवइय्या कला तक सड़क निर्माण, बाघ नदी में एनीकट निर्माण, देवगांव जलाशय में नहर जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के साथ पिथौरा नगर पंचायत में गौरव पथ निर्माण और बसना में बाजार स्थल में चबूतरा शेड का निर्माण करने की घोषणा भी की। उन्होंने ग्रामीण बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा के दायरे को विस्तार देते हुए ग्राम मेमरा हाईस्कूल के हायर सेकंडरी स्कूल में उन्नयन, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर के भवन का उन्नयन करने और ग्राम पंचायत भोकलूडीह में नवीन प्राथमिक स्कूल भवन की घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत के सरपंच को वन अधिकार पत्र के लिए अतिशीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आमजनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाई हैं, ताकि हर वर्ग को लाभ मिलना सुनिश्चित हो। हम विधानसभा में नीति-कानून बनाते हैं, उसका क्रियान्वयन हो रहा या नहीं यह पता करने आये हैं। हम हितग्राहियों से मिलकर सुख-दुख के गोठ करते हैं और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हैं। राज्य सरकार को चार साल पूरा होने में चार दिन ही बचे हैं। इन चार साल में आम लोगों के हित के साथ छत्तीसगढ़ के विकास के लिए त्वरित रूप से कई निर्णय लिए गए।

उन्होंने कहा कि 17 दिसम्बर को शपथ के बाद सीधे मंत्रालय जाकर उन्होंने किसानों की कर्ज माफी और समर्थन मूल्य में वृद्धि का निर्णय लिया। पहले ही निर्णय में 19 लाख किसानों के 9 हजार 50 करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया। जो वादा हमने जनता से किया, उसे पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को सीधे उनके एकाउंट में चार क़िस्त में राशि दी गई। इसका उपयोग किसान त्यौहार, शादी जैसी जरूरी कामों के लिए कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक-2022 : रायपुर में संभाग स्तरीय स्पर्धाएं शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी लोक खेलो के संरक्षण और उन्हें बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों का तीसरा चरण आज रायपुर जिले में शुरू हो गया है। रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा ने छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक के तहत संभाग स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं का स्थानीय सुभाष स्टेडियम में शुभारंभ किया।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल के मंशानुरूप पारंपरिक छत्तीसगढ़िया खेल संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों का आयोजन कराया जा रहा है। इन खेलों में ग्रामीण और नगरीय निकायों के बच्चें-युवा, महिला और बुजुर्ग शामिल हो रहे है। इन खेलों के आयोजन से खेल प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिलेगा। मानसिक विकास के लिए जिस तरह शिक्षा आवश्यक है ठीक उसी तरह शारीरिक विकास के लिए खेल महत्तवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन खेलों से लोंगो में खेल भावना का विकास होने के साथ-साथ आपसी प्रेम और भाईचारा में वृद्धि होगा। इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे सभी खिलाड़ियों और प्रदेश वासियों को बधाई और शुभकामनाएं।

इस अवसर पर धरसीवां विधायक श्रीमती अनिता शर्मा, रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप जुनेजा, नगर निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, बीरगांव नगर निगम के महापौर नंद लाल देवांगन, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे, रायपुर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत के सीईओ आकाश छिकारा, बीरगांव निगम आयुक्त जयंत नाहटा सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि और स्कूली छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहें। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुसार छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेलों का आयोजन 6 अक्टूबर से जारी है। कलेक्टर ने बताया कि संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं दो दिन तक चलेंगी। संभाग स्तरीय इस खेल प्रतियोगिता में रायपुर सहित गरियाबंद, धमतरी, बलौदा बाजार-भाटापारा और महासमुंद जिला के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। चौदह खेल, तीन मैदान में दो हजार प्रतियोगी होंगे शामिल- इस प्रतियोगिता में अब जिला स्तर के विजेताओं के बीच 14 खेलों में मुकाबला होगा। संभाग स्तरीय यह खेल प्रतियोगिताएं तीन बड़े मैदानों पर आयोजित की जा रही है। नेताजी सुभाष स्टेडियम में कबड्डी, बांटी, पिट्ठुल, बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़ और भौरा चलाने की प्रतियोगिताएं हो रही है। सप्रे शाला मैदान पर खो-खो, गिल्ली डण्डा और रस्सा खींच की प्रतियोगिताएं हो रही है। 100 मीटर की दौड़, लम्बी कूद, लंगड़ी और संखली खेलों की प्रतिस्पर्धाएं स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में हो रही है। इन खेलों में लगभग दो हजार खिलाड़ी शामिल हो रहें हैं।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने आदिवासी किसान राजेश सिदार के घर भोजन किया

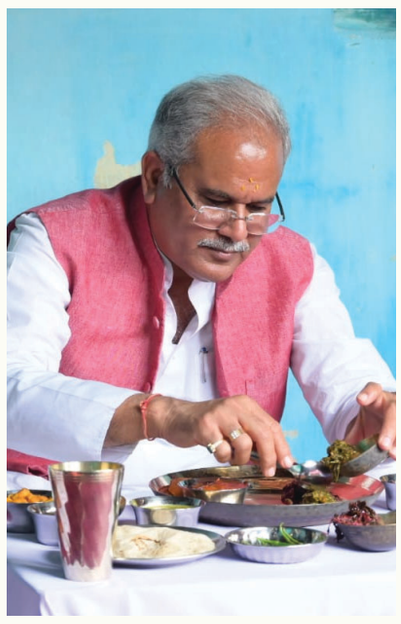

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाक़ात के दौरान बसना के ग्राम पिरदा निवासी आदिवासी किसान राजेश सिदार के घर पहुंचकर भोजन किया। श्री सिदार के घर मुख्यमंत्री ने स्थानीय व्यंजनों से भरपूर छत्तीसगढ़ी पारंपरिक भोजन का स्वाद लिया। किसान श्री केदार के परिवार के सभी लोगों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री को किसान सिदार के यहाँ कांसे की थाली में लाल भाजी, टमाटर चटनी, हाथ से पिसा मूंग दाल का बड़ा एवं छत्तीसगढ़िया व्यंजन परोसा गया। इस दौरान गृह मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू, बसना विधायक देवेन्द्र बहादुर सिंह एवं उनके साथ राजेश सिदार ने भी भोजन किया। यहां मुख्यमंत्र बघेल को छोटी बच्ची ने भोजन परोसा इस पर मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक उसे थैंक्यू कहा। भोजन करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने किसान श्री केदार के परिवार के सभी लोगों से मुलाकात की और उन्हें उपहार भेंट किया।

आम जनता से किए वायदे पूरे कर रही छत्तीसगढ़ सरकार: भूपेश बघेल

पिरदा भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से लिया योजनाओं पर फीडबैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात के तहत विधानसभा बसना के ग्राम पिरदा पहुंचे। वहां उन्होंने ग्रामीणों से रूबरू चर्चा कर राज्य शासन की योजनाओं पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार योजनाएं बनाती है। मैदानी स्तर पर इन योजनाओं का लोगों को कितना लाभ मिल रहा है यह देखने मैं आपके बीच आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 दिसम्बर को राज्य सरकार चार साल पूरे कर रही है। हमने आम जनता से जो वायदे किए थे, पूरा कर रहे हैं।

सबसे पहले किसानों की ऋण माफी की। समर्थन मूल्य और इनपुट सब्सिडी सहित किसानों को धान का 2500 रुपए दे रहे हैं। इस तरह किसानों से किया वादा हमने पूरा किया। घरेलू बिजली बिल भी आधा किया।

भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के आग्रह पर क्षेत्र के विकास के लिए अनेक घोषणाएं की। उन्होंने पिरदा में महाविद्यालय के नये भवन निर्माण, ग्राम पिरदा में उप तहसील, ग्राम सांकरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इसी क्रम में ग्राम पंचायत सांकरा एवं पिरदा का नगर पंचायत में उन्नयन, नगर पंचायत बसना में गौरव पथ के निर्माण, सांकरा परसावानी मार्ग से रिखा दादर तक सड़क निर्माण, कुडेकेल नाला में नवीन पुल निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भेंट-मुलाकात की शुरूआत की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भेंट-मुलाकात में कहा कि हमारा लक्ष्य लोगों की आय में वृद्धि करना है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। जो उद्योग लगाना चाहते हैं, उनके लिए दो करोड़ की लागत से गौठान में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना रहे हैं। तेलघानी, ईंट बनाने आदि जैसे उद्यमों के लिए उद्यमियों को जगह उपलब्ध करा है, उन्हें बिजली भी आधी दर पर दे रहे हैं। इससे ना सिर्फ उद्यमी को स्व रोजगार मिलेगा बल्कि वह अन्य लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ लोगों को मिल रहा है, इस योजना में 20 लाख रुपए तक की सहायता दे रहे हैं। हाट बाजार क्लिनिक में मुफ्त में इलाज हो रहा है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल हमने खोले हैं ताकि गरीब वर्ग के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में मुफ्त शिक्षा प्राप्त कर सकें।

भेंट-मुलाकात में केशरपुर निवासी किसान तुकाराम ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनका 01 लाख रुपए का लोन माफ हुआ। बोलेरो गाड़ी खरीदी है। उन्होंने तुकाराम की उन्नत खेती की तारीफ की। सरईभद्रा निवासी किसान कूसो ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी 80 डिसमिल जमीन है, 15 साल पहले का मामला है। सोसायटी से उन्हें कर्ज माफी का लाभ नहीं मिला। इस पर मुख्यमंत्री ने ऋण मुक्ति के संबंध में जांच के आदेश दिए। ललित प्रधान ने बताया कि 2 लाख 73 हजार का कर्ज है, भूमि विकास बैंक को 8 लाख का कर्ज पटा चुका हूं। ललित प्रधान द्वारा ऋण संबंधित मुद्दा रखने पर मुख्यमंत्री ने भूमि विकास बैंक से लिए गए ऋण के संबंध में जल्द निराकरण के लिए उन्हें आश्वस्त किया। रतनी बाई ने मुख्यमंत्री को बताया कि उसका राशन कार्ड नहीं है, बेटों के नाम से है, लेकिन मेरा नहीं बना है, दो-तीन माह से आवेदन दिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल राशनकार्ड बनवाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बुजुर्ग महिला राजकुमारी ने बताया कि राशन कार्ड में चावल, शक्कर, नमक सभी सामग्री मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का लाभ अवश्य लें। भेंट-मुलाकात में श्रीमती विमला पटेल ने बताया कि वर्मी कम्पोस्ट से 01 लाख 32 हजार रुपए की आमदनी हुई है, समूह के प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपए मिले हैं। दुर्गा मिश्रा ने मुख्यमंत्री को बताया कि पांच क्विंटल गोबर बेचा है, 6 महीने से राशि नहीं मिली है। इसे सुनकर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को जांच कराने निर्देश दिए।

नन्हे दृष्टिबाधित गायक हिमांशु को मिलेगी मदद

आंखों में रोशनी नहीं मगर कंठ से फूटते हैं सुरीले स्वर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पिरदा भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में जब मुख्यमंत्री बघेल लोगों से उनकी समस्याओं संबंधित आवेदन लेने खुद पहुंचे तो आठ वर्षीय दृष्टिबाधित बालक हिमांशु पसायत के लिए उसके पिता ने मुख्यमंत्री से मदद मांगी। ग्राम- जगत के निवासी हिमांशु के पिता प्रमोद पसायत की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, वे मजदूरी करते हैं, बेटे का इलाज कराना चाहते हैं।

हिमांशु की आंखों में रोशनी नहीं है मगर उसके कंठ से सुरीले स्वर फूटते हैं। वह तीन भाषाओं हिंदी, छत्तीसगढ़ी और उड़िया में सुमधुर गायन करता है। हिमांशु पांच वर्ष की आयु से संगीतमयी प्रस्तुति देता है । मुख्यमंत्री ने हिमांशु के पिता की गुहार सुनी और हिमांशु की हरसंभव सहायता के लिए आश्वस्त किया।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

मुख्यमंत्री ने बसना में किया 64 करोड़ 13 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बसना विधानसभा क्षेत्र में 64 करोड़ 13 लाख 92 हजार रुपए के विकासकार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 32 करोड़ 64 लाख 09 हजार रुपए के 37 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 32 करोड़ 59 लाख 83 हजार रुपए के 23 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

भूमिपूजन में नवीन सड़क निर्माण, पुल-पुलिया और महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण आदि कार्य शामिल हैं । लोकार्पण कार्यों में स्कूल भवन निर्माण, आहता निर्माण, सांस्कृतिक भवन निर्माण, सी.सी. रोड, सामुदायिक भवन निर्माण आदि शामिल हैं ।

मुख्यमंत्री श्री बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज महासमुंद जिले के बसना विधासनसभा क्षेत्र के दौरे पर थे। उन्होंने बसना के ग्राम पिरदा एवं ग्राम गोपालपुर में आम जनता से भेंट मुलाकात की और राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

होम लोन
LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD
आवासीय प्लाट खरीदने लोन
घर खरीदने एवं बनाने लोन
मरम्मत एवं प्रथम तल विस्तार लोन
अन्य बैंक से लोन ट्रांसफर
मॉर्टगेज लोन
मेरा ऑफिस
दुकान,शोरूम्स,
आफिस ,ओ.पी.डी क्लीनिक,
डायग्नोस्टिक सेंटर आदि।
खरीदने ,बनाने,विस्तार हेतु,मरम्मत हेतु,
मशीनें खरीदने,बैंक लोन ट्रांसफर एवं टॉपअप सुविधा।
8871247143 | 9303384454
Shop No-239,1st Floor,Chouhan Estate,Supela,Bhilai
finconhome@gmail.com

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दुकान सील करने पहुंची निगम की टीम तो संचालक ने किया आत्मदाह का प्रयास

रायपुर (ए)। पार्किंग के लिए नोटिस देने बाद भी जब दुकान संचालक ने कोई कार्रवाई नहीं की तो निगम का अमला संस्थान को सील करने पहुंचा। इस दौरान दुकान के संचालक ने निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। किसी तरह पुलिस और निगम की टीम ने उन्हें समझाया।

दरअसल रायपुर के वीआईपी रोड स्थित ग्वाला रेस्टोरेंट और साहू होटल को सील करने मंगलवार दोपहर निगम की टीम पहुंची थी। जिसके बाद ग्वाला रेस्टोरेंट के संचालक ने अपने ऊपर मिट्टी तेल डाल लिया और आत्महत्या की धमकी दी। आपको बता दें कि नगर निगम सड़क जाम करने वाले होटल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। कार्रवाई के दौरान व्यापारी-अधिकारियों के बीच विवाद भी हुआ। जिसके बाद होटल संचालक ने मिट्टी तेल डालकर आत्महत्या करने की धमकी दी।

नगर निगम के झोन कमिश्नर से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि फुण्डहर चौक, वीआईपी रोड पर वीआईपीज का आना जाना लगा रहता है और अवैध पार्किंग से उनकी सुरक्षा को खतरा है। इसलिए हमें कार्यवाही करने के निर्देश उपर के अफसर देते रहते हैं। नगर निगम ने नोटिस और भी दुकानदारों को दिया है। जवाब का इंतजार कर रहे हैं, अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

रायपुर से आया बड़ा निवेश, 150 एमओयू में 60 उद्यमी शहर से, 56 सेवाएं हुई ऑनलाइन

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार को चार साल होने को है और इन चार वर्षों में उद्योग-व्यापार की रफ्तार भी बढ़ी है। यह देखा जा रहा है कि प्रदेश में उद्योग विभाग विभाग द्वारा एकल खिड़की प्रणाली से 56 सेवाएं आनलाइन दी जा रही है। वहीं खास बात यह है कि आयरन और स्टील के क्षेत्र में हुए 150 एमओयू में से 40 प्रतिशत उद्यमी रायपुर के ही है, जिसमें 16000 करोड़ रुपये का निवेश साकार होने जा रहा है। रायपुर के उद्योगपतियों के बाद ही रायगढ़, बिलासपुर और राजनांदगांव के उद्यमी आते है।

उद्योगपतियों का कहना है कि जैसे ही ये एमओयू शुरू होंगे,प्रदेश में रोजगार भी बढ़ेगा और सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही सेवा क्षेत्रों में विस्तार कर राज्य के विकास की गति को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल नचरानी ने बताया कि प्रदेश में उद्योग-व्यापार की रफ्तार बढ़ी है। इसके साथ ही अब एमओयू इतने ज्यादा हुए है तो आने वाले दिनों में रोजगार भी बढ़ेगा।

उद्योगों के लिए सबसे बड़ा फायदेमंद यह हुआ कि औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन नियमों का सरलीकरण किया गया है। इसके अनुसार औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन भू-प्रब्याजी में 30 प्रतिशत की कमी है। साथ ही भू भाटक में 33 प्रतिशत की कमी है। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों से बाहर 10 एकड़ तक आवंटित भूमि को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किया गया है।

अम्बुजा मॉल में फेस ऑफ सेंट्रल इंडिया सीजन 8 का ग्रैंड फिनाले का किया गया आयोजन

रायपुर (ए)। रविवार को अंबुजा मॉल द्वारा फेस ऑफ़ सेंट्रल इंडिया सीजन 8 का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया जिसमें कुल 15 15 प्रतिभा फाइनल में पहुंचें इस इवेंट में टीन राउंड हुए ट्रेडिशनल फंकी और फॉर्मल राउंड सारे प्रतिभाओं ने इसे बढ़ा-चढ़कर और अपनी क्रिएटिविटी से लोगों का और जज का दिल जीता। 70 प्रतिभा जो कि उड़ीसा, बिहार, झारखंड, एमपी, से भाग लेने पहुंचे और इन में से चुने गए केवल 15-15 मॉडल्स को फाइनल में जगह मिली थी इस इवेंट को ब्रांड इवेंट्स ने मैनेज किया और इस शो के ग्रूमर और ट्रेनर राहुल कुकरेजा थे पिचले कुछ वर्षो के विजेता ने भी इस इवेंट में शो स्टॉपर का वॉक किया इसमें अक्षय नायक, इमाद सिद्दीकी, गुंजन अग्रवाल और यामिनी पारेख थे। जिसके विजेता अनंता देवांगन और स्पर्श सिंह रहे।

30 दिन में दो लाख से ज्यादा उड़े हवाई यात्री

रायपुर (ए)। कोरोना का खौफ खत्म होते ही अब रायपुर विमानतल से हवाई यात्रियों की आवाजाही में जबरदस्त बढ़ोतरी हो रही है। नवंबर माह में रायपुर विमानतल से दो लाख से ज्यादा हवाई यात्रियों की आवाजाही हुई। वहीं दिसंबर महीने के 11 दिनों में ही 74 हजार से अधिक यात्री माना एयरपोर्ट से सफर कर चुके हैं। हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विमानन कंपनियां भी इन दिनों नए शहरों के लिए उड़ानें शुरू कर रही है।

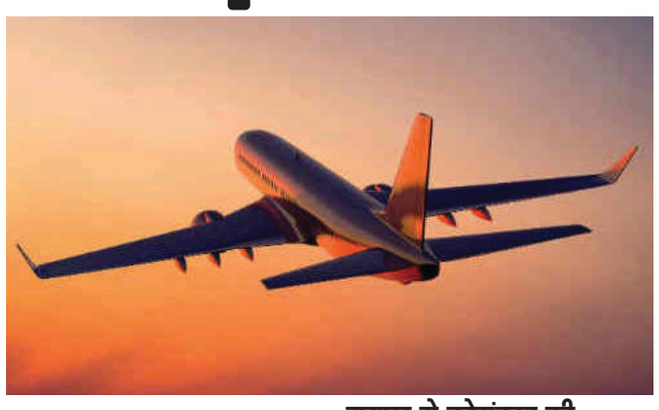

विमानन अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार नवंबर माह में कुल दो लाख 169 हवाई यात्रियों की आवाजाही हुई। हवाई यात्रियों की यह आवाजाही पिछले वर्ष नवंबर की तुलना में 1.51 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही इस महीने 11 दिसंबर तक 74 हजार 51 यात्रियों की आवाजाही हुई। इस प्रकार रायपुर से हवाई यात्रियों की आवाजाही में बढ़ोतरी होने लगी है।

विमानन सूत्रों का कहना है कि अगले माह जनवरी पहले हफ्ते से रायपुर से गोवा की सीधी उड़ान शुरू हो सकती है। विमानन कंपनी द्वारा इसे अपने शेड्यूल में डाल दिया गया है और जनवरी पहले सप्ताह में इसे शुरू किए जाने की तैयारी है। काफी समय से रायपुर से गोवा के लिए सीधी उड़ान की मांग की जा रही है।

रायपुर से कोयंबटूर की उड़ान शुरू

मंगलवार से रायपुर से चेन्नई होते हुए कोयंबटूर की उड़ान शुरू हुई। इंडिगो एयरलाइंस द्वारा इस फ्लाइट को शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि पहले दिन इस फ्लाइट से कोयंबटूर जाने वाले 30 से अधिक यात्री रहे। जानकारी के अनुसार फ्लाइट क्रमांक 6ई797 कोयंबटूर से चेन्नई के लिए सुबह 11.40 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 12.45 बजे चेन्नई पहुंचेगी। इसके बाद यहीं फ्लाइट चेन्नई से रायपुर के लिए दोपहर 1.25 बजे उड़ान भरेगी और 3.50 बजे रायपुर पहुंचेगी। इसके बाद फ्लाइट क्रमांक 6ई6002 रायपुर से चेन्नई के लिए शाम 4.20 बजे उड़ान भरेगी और शाम 6.20 बजे चेन्नई पहुंचेगी। रात्रि 7.30 बजे यही फ्लाइट चेन्नई से कोयंबटूर के लिए उड़ान भरेगी और रात्रि 8.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी।

रायपुर से 12 शहरों के लिए सीधी उड़ानें

रायपुर से इन दिनों 12 शहरों के लिए सीधी उड़ानें है। इसमें रायपुर से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरू, हैदराबाद, अहमदाबाद, प्रयागराज, इंदौर, भोपाल, पूणे, जगदलपुर के लिए सीधी उड़ानें है। इसके साथ ही कोयंबटूर, कोचीन, गोवा, गुवाहाटी, जम्मू आदि शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइटें है।

छत्तीसगढ़ की फेंसिंग बालिका टीम ने खेलों इंडिया यूथ गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की फेंसिंग बालिका टीम कैडेट फायल इवेंट में व्यक्तिगत एवं टीम दोनों वर्गों में खेलों इंडिया यूथ गेम्स के लिए क्वालिफाई कर लिया। प्रतियोगिता के व्यक्तिगत मुकाबलों में फायल बालिका वर्ग में राज्य की अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी दीपांशी नेताम ने शानदार प्रदर्शन कर क्वाटर फाइनल में जगह बनाई। लेकिन मेजबान महाराष्ट्र की लोहिया वैदेही से हार कर बाहर हो गई। दूसरी सफलता बालिका वर्ग के फायल टीम को मिली जिसमें, दीपांशी नेताम, युक्ति दुबे, नव्या वर्मा एवं करुणा साहू ने टीम चैंपियनशीप के क्वाटर फाइनल मुकाबले में मणिपुर को कड़ी टक्कर दी लेकिन मैडल बाउट हार गए। लेकिन अंक तालिका के आधार पर यूथ गेम्स के लिए फायल टीम बालिका ने भी क्वालिफाई कर लिया। गौरतलब है कि भोपाल (मध्यप्रदेश)में आगामी महीने होने वाले खेलों इंडिया यूथ गेम्स के लिए अपना नाम दर्ज करा लिया।

बता दें डिविशनल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, पंचवटी (महाराष्ट्र) में 11 दिसंबर से 13 दिसंबर तक महाराष्ट्र फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा फेंसिंग एसोसिएशन आफ इंडिया के तत्वावधान में 17वीं कैडेट राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश की कैडेट बालक एवं बालिका टीम ने भाग लिया। वहीं चैंपियनशिप में भाग लेने से पहले छत्तीसगढ़ राज्य की कैडेट बालक एवं बालिका टीम का आठ दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एक दिसंबर से आठ दिसंबर तक बहुउद्देश्यीय हाल, इस्पात क्लब, सेक्टर-1, भिलाई में आयोजित किया गया था।

बढ़ते अपराध पर लगेंगे लगाम, ट्रांसपोर्ट नगर में लगे 22 सीसीटीवी कैमरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने और अपराधियों को पकड़ने शहर में अलग-अलग जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना खमतराई क्षेत्रांतर्गत बंजारी सहायता केंद्र में ट्रांसपोर्ट नगर व आस-पास जनसहयोग से 22 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यह कैमरे क्षेत्र में होने वाले अपराधों की जानकारी व पकड़ने में सहायक साबित होंगे। वहीं क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं की जानकारी में सहायक होंगे। अड्डेबाजी एवं असमाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जा सकेगी। इसके अलावा आगामी दिनों में और अधिक से अधिक कैमरा लगाने में सहमति बनी है।

उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम एवं अपराधों में अंकुश लगाने थाना क्षेत्र के असमाजिक तत्वों वाले स्थानों, सघन भीड़-भाड़ क्षेत्रों अपराधिक घटनाओं वाली जगहों में अपराधों के खोजबीन में सहयोग के लिए क्षेत्र में अधिक से अधिक कैमरे लगाए जाने निर्देश दिया गया है। इसके तहत मंगलवार को थाना खमतराई क्षेत्रांतर्गत पुलिस सहायता केंद्र बंजारी धाम के ट्रांसपोर्ट नगर व आसपास के महत्वपूर्ण स्थानों चौको पर 22 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। बस्तर कोरापुट परिवहन संघ, ट्रक मैकेनिक संघ रायपुर, आशोक लिलैंड सर्विसिंग सेंटर, डोर फैक्ट्री भनपुरी, कविता पॉलिमर्स भनपुरी व आसपास के व्यवसायी के सहयोग से स्थापित कर एनवीआर पुलिस सहायता केंद्र बंजारी धाम में लगाया गया है। जिसका शुभारंभ एएसपी अभिषेक माहेश्वरी और सीएसपी राजीव शर्मा के मार्ग दर्शन में किया गया।

इन जगहों पर लगाए गए 22 कैमरे

कैमरा लगाने के प्रथम चरण में ये 22 कैमरे बंजारी चौक, ट्रांसपोर्टनगर गेट नंबर एक, दो, तीन, मेटल चौक, उरकुरा फाटक चौक, सिपेट रोड एकता चौक में लगाए गए है। आगे भी इसी तरह क्षेत्र के अन्य स्थानों में जनसहयोग से अधिक से अधिक कैमरा लगाये जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में एएसपी और सीएसपी द्वारा कैमरा लगाने में सहयोग करने वाले ट्रांसपोर्टर व व्यवसायी को सम्मानित किया गया।

पत्रकारिता विवि में हुआ फ्रेशर पार्टी, तारिणी को मिला मिस फ्रेशर का खिताब

रायपुर। खिलखिलाते चेहरे और बेहतरीन भविष्य की कामना के साथ सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में सत्र 2022 - 23 में आये सभी प्रथम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारम्परिक रूप से हुई। कार्यक्रम के शुरुआती दौर में नए विद्यार्थियों ने अपने सीनियर छात्रों के सामने अपना अपना परिचय अलग अलग अंदाज़ में दिया। इसके आलावा पार्टी में कई तरह के गेम का भी आयोजन किया गया जिसमे सभी छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी ने आशीर्वाद वाचन देते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं कार्यक्रम के समाप्ति के दौरान bsc इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम सेमेस्टर की छात्रा तारिणी सोनी को मिस फ्रेशर और राहुल को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। इसके अलावा द्वह्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रथम सेमेस्टर की छात्रा साक्षी को मिस फ्रेशर और शशांक को मिस्टर फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया। पुरे कार्यक्रम के दौरान बेहतर प्रस्तुति देने के लिए तेज साहू को मिस्टर इविनिंग और दिव्यानि को मिस इविनिंग चुना गया।

शोभायात्रा में शामिल हुए मंत्री डहरिया, 2.51 करोड़ रूपए से ज्यादा के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर (ए)। अभनपुर में गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत अभनपुर क्षेत्र के अंतर्गत में 2 करोड़ 51 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू मौजूद थे।

इस मौके पर डॉ. डहरिया ने अभनपुर में मुक्ति कुटी के पास 15 लाख रूपए की लागत से बने शेड और 5 लाख रूपए की लागत से बनी बाउण्ड्रीवाल का लोकार्पण किया। इस तरह से नगर पंचायत अभनपुर के अंतर्गत करीब 31 निर्माण कार्य जिनकी लागत 2 करोड़ 63 लाख रूपए है का भूमिपूजन किया। इन निर्माण कार्यों में स्कूल भवन, सामुदायिक भवन, सी.सी.रोड, नाली, शेड, मंच, आहता, महिला मण्डल भवन सहित अन्य निर्माण कार्य शामिल है।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डहरिया ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की जरूरत के अनुरूप निर्माण एवं विकास कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश के सभी वर्गो के लिए विभिन्न जन-कल्याण कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना तहत् किसानों को सहायता पहुंचाई जा रही है। भूमिहीन परंपरागत् कार्य करने वाले एवं खेतिहर मजदूरों के लिए राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया जा रहा है।

'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम एवं निवारण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महालेखाकार कार्यालय में छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में किया गया आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक के मुख्य आतिथ्य में प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) कार्यालय एवं प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय भवन में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के रोकथाम एवं निवारण' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

श्रीमती नायक ने कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबन्धित वैधानिक प्रावधानों की चर्चा की तथा अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सुश्री पूजा अग्रवाल, सहायक पुलिस महानिरीक्षक ने महिला सुरक्षा के संबंध में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा लागू की जा रही विशिष्ट सुविधाओं के संबंध में सभी धिकारियों-कर्मचारियों को अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा बनाये गये मोबाइल ऐप 'अभिव्यक्ति' के माध्यम से कोई भी महिला तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती है।

प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) पूर्ण चन्द्र माझी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यस्थल में महिलाओं की लैंगिक उत्पीड़न से सुरक्षा के संबंध में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया और विशाखा गाइडलाइन तथा संबंधित अधिनियमों एवं प्रावधानों की चर्चा की।

कार्यशाला में कार्यालय की आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष एम उमा, उपमहालेखाकार ने अपने उद्बोधन का प्रारम्भ 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' के साथ किया और कहा कि भारत के संविधान में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया गया है और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न का रोकथाम और निवारण इसका एक अभिन्न अंग है। उपमहालेखाकार सुश्री जी. एजिलारासी द्वारा अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आशा श्याम, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी द्वारा किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बॉयफ्रेंड अर्जुन रामपाल की फिल्म से एक्टिंग में वापसी करेंगी गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स

अर्जुन रामपाल और उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स का रिलेशनशिप काफी चर्चा में रहा है। 2019 में दोनों की जिंदगी में उनके बेटे अरिक रामपाल का आगमन हुआ था। अब लंबे ब्रेक के बाद गैब्रिएला एक्टिंग में वापसी करने वाली हैं। वह किसी और के साथ नहीं, बल्कि अपने पार्टनर अर्जुन की फिल्म में ही नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री गैब्रिएला ने खुद एक इंटरव्यू में इस संबंध में खुलासा किया है।

गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने कहा, एक निर्माता अर्जुन के साथ प्रोजेक्ट पर चर्चा करने के लिए आए और इसको लेकर बातचीत स्वाभाविक तरीके से हुई। वह मुझसे मिले और मुझे इस फिल्म का ऑफर दिया। उन्हें लगा कि यह मेरे लिए एकदम सही प्रोजेक्ट है। मैं अभिनय में पूरी तरह से वापस नहीं आ रही हूं। फैशन मेरा जुनून है, लेकिन मैं किसी भी दिलचस्प अवसर को भुनाना चाहती हूं। गैब्रिएला ने अपने किरदार को लेकर भी खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वह फिल्म में एक ब्रिटिश-भारतीय पुलिसकर्मी की भूमिका निभाएंगी। उनके और अर्जुन के कैरेक्टर के बीच अच्छी केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। फिल्म में अर्जुन और गैब्रिएला के किरदार के बीच एक रोमांटिक एंगल दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि गैब्रिएला अपने संवाद हिंदी में बोलती हुई नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म को यूनाइटेड किंगडम (UK) में शूट किया जाएगा।

अर्जुन और गैब्रिएला 2018 से एक-दूसरे के साथ हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके मन में कभी शादी का ख्याल आया तो उन्होंने बताया, यह हमारी प्रतिबद्धता की बात है। हम दोनों एक-दूसरे के लिए इतने प्रतिबद्ध हैं कि ऐसा नहीं लगता कि शादी की कोई बहुत बड़ी जरूरत है। हमारा एक बेटा है और हम एक परिवार हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं शादी में विश्वास नहीं करती। गैब्रिएला के काम की बात करें तो वह एक साउथ अफ्रीकी मॉडल हैं। उन्होंने 2014 में सोनाली केबल से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 2016 में तेलुगू फिल्म ओपिरी में कैमियो रोल भी किया था। अर्जुन ने साल 1998 में पूर्व मिस इंडिया और मॉडल जेसिका मेहर से शादी की थी। दोनों की दो बेटियां, माहिका और माइरा, हैं। शादी के 20 साल बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया था। अर्जुन और मेहर ने आधिकारिक बयान जारी कर तलाक की खबर को कंफर्म किया था। मेहर 1986 में मिस इंडिया चुनी गई थीं। तलाक के बाद से ही अर्जुन लगातार गैब्रिएला के साथ अफेयर को लेकर सुर्खियों में रहे।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 में हुई टाइगर जिंदा है फेम सज्जाद डेलाफ्रूज की एंट्री

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 का फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। अब ऐसी चर्चा चल रही है कि पुष्पा 2 में टाइगर जिंदा है फेम अभिनेता सज्जाद डेलाफ्रूज शामिल हो गए हैं। वह इस फिल्म में अहम भूमिका में दिखने वाले हैं। सज्जाद ने सलमान खान की फिल्म टाइगर जिंदा है में विलेन की भूमिका में दर्शकों का ध्यान खींचा था।

रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स ने फिल्म के लिए सज्जाद की कास्टिंग कर ली है, हालांकि उनके किरदार को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। फिर भी फैंस कयास लगा रहे हैं कि वह पुष्पा 2 में अल्लू से दो-दो हाथ करते हुए दिखने वाले हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंध में जल्द आधिकारिक घोषणा होगी। पहले भाग की तरह इसके दूसरे भाग का निर्देशन भी सुकुमार ही संभाल रहे हैं। एक के बाद एक कई विलेन की भूमिकाओं ने सज्जाद को शोहरत दिलाई है। वह टाइगर जिंदा है में सलमान के अपोजिट अबू उस्मान नामक खूंखार विलेन की भूमिका में दिखे थे। इसके बाद नीरज पांडे की वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स में उनका अभिनय देखने लायक था। उनके द्वारा निभाई गई हाफिज अली की भूमिका ने लोगों को आतंक के डर से परिचय कराया। उन्हें हॉरर थ्रिलर अंडर द शैडो में भी देखा गया था।

जाने-माने अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी 2 दिसंबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर आई है। शशांक घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं। इसमें सज्जाद भी अहम किरदार में नजर आए हैं। अभिनय में अपनी शुरुआत करने से पहले सज्जाद अबु धाबी में एक सेल्समैन की नौकरी किया करते थे। सेल्समैन की नौकरी के बाद उन्होंने पीआर मैनेजर के तौर पर काम किया। फिर मॉडलिंग में अपनी पहचान बनाई। पुष्पा 2 को बड़े बजट में बनाया जा रहा है। खबरों की मानें तो पहले भाग से पुष्पा 2 का बजट बड़ा होगा। फिल्म के निर्माण की लागत ही करीब 200 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। इसका कुल बजट 400 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। मेकर्स इसे केजीएफ 2 से भव्य बनाने की कोशिश में लगे हैं। इसके दूसरे भाग का शीर्षक पुष्पा: द रूल रखा गया है, जिममें एक बार फिर अल्लू के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी।

शाहरुख के बेटे आर्यन भारत में लॉन्च करेंगे खुद का ब्रांड

इन दिनों जहां एक तरफ शाहरुख खान अपनी फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं उनके बेटे आर्यन खान भी लोगों के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, वह फिल्मी दुनिया में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। कुछ ही दिन पहले आर्यन ने पर्दे पर पीछे काम करने का ऐलान किया था। अब खबर है कि वह भारत में अपने खुद के वोडका ब्रांड की शुरुआत करने जा रहे हैं। आर्यन अब देश में विदेशी शराब बेचते नजर आने वाले हैं। दरअसल बडवाइजर और कोरोना बीयर बेचने वाली दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनी एबी इनबेव की भारतीय यूनिट ने उनके साथ साझेदारी की है। आर्यन यूरोप में रह रहे अपने बिजनेस पार्टनर बंटी सिंह और लेटी ब्लागोएवा के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम वोडका ब्रांड डायवोल लॉन्च करने जा रहे हैं, जिसे भारत में एबी इनबेव द्वारा बेचा और वितरित किया जाएगा। आर्यन कहते हैं कि भारतीय बाजार में अभी विकास की बहुत गुंजाइश है। उन्हें लगता है कि यह एक बड़ा मौका है। आर्यन कई प्रोडक्ट बाजार में लेकर आएंगे। वह 2023 में अपने ब्रांड को एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के अन्य बाजारों में भी लेकर आएंगे। अगले साल की शुरुआत में वह अपनी कंपनी की व्हिस्की और रम लॉन्च करने वाले हैं। आर्यन अपने बिजनस पार्टनरों बंटी और लेटी से 2018 में जर्मनी में मिले थे। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मादक पेय बाजारों में से एक है, जिसका अनुमानित बाजार 2020 तक 4.4 लाख करोड़ रुपये था।

वरुण धवन अनीस बाज्मी की 5 मिनट का सुपरहीरो में निभाएंगे मुख्य भूमिका

फिल्ममेकर अनीस बाज्मी ने घोषणा की थी कि वह विशाल राणा और जी स्टूडियोज के साथ मिलकर एक कॉमेडी फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म का अस्थायी शीर्षक 5 मिनट का सुपरहीरो रखा गया है। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि इसमें अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनीस ने फिल्म की कहानी वरुण को सुनाई है और दोनों में इसको लेकर बातचीत चल रही है।

सूत्र ने बताया, यह एक अनूठी सुपरहीरो कॉमेडी है, जिसमें फिल्म का मुख्य पात्र पांच मिनट के अंतराल में अपनी सभी महाशक्तियों को खो देता है। यह अनीस के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है और वह वरुण के साथ अबतक की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बनाना चाहते हैं। फिल्म की शूटिंग अगले साल के अंत में शुरू होगी और इसे 2024 में सिनेमाघरों में लाया जाएगा। वरुण ने भी इस प्रोजेक्ट में अपनी रुचि दिखाई है।

शिशु बोटुलिज्मः ये है इसके कारण लक्षण और बचने के उपाय

शिशु बोटुलिज्म एक दुर्लभ बैक्टीरिया संक्रमण है जो शिशुओं की बड़ी आंत में होता है। इससे बच्चों की मांसपेशियां कमजोर होती है और उन्हें सांस लेने और खाने-पीने में दिक्कत होती है। यह एक साल के कम उम्र के बच्चों को इसलिए होता है, क्योंकि उनका पाचन तंत्र बैक्टीरिया को संभालने के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। बच्चों को इस संक्रमण से बचाने के लिए आज हम आपको इसके लक्षण, बचाव और इलाज के बारे में बताएंगे।

क्या है शिशु बोटुलिज्म?

शिशु बोटुलिज्म एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जिसमें क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया शिशु के पेट के अंदर बढ़ने लगते हैं। यह बैक्टीरिया कुछ खाद्य पदार्थों खासकर शहद के अलावा दूषित मिट्टी, धूल और खुले घाव में पाए जाते हैं। यह बीमारी नवजात या एक साल के उम्र के बच्चों को ज्यादा प्रभावित करती है। इसका सही समय पर इलाज नहीं करने से बच्चे को कमजोरी और सांस की बीमारी होने के साथ-साथ जान का भी खतरा रहता है।

शिशुओं में शहद के सेवन से होता है बोटुलिज्म

क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिज्म आमतौर पर एक साल से छोटे बच्चों को शहद खिलाने के कारण होता है। यह बच्चे के पाचन तंत्र में फैल जाता है और प्रभावित करता है। ये बैक्टीरिया मिट्टी और धूल में भी मौजूद होते हैं और आसानी से कालीन और फर्श जैसी सतहों पर आ सकते हैं। ये बैक्टीरिया बड़े बच्चों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, क्योंकि उनका पाचन तंत्र इनसे लड़ने में सक्षम हो चुका होता है।

क्या हैं इस बीमारी के लक्षण?

बोटुलिज्म शिशु के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। ऐसे में इसके लक्षण दिखते ही इलाज शुरू करना चाहिए। इसकी शुरुआती लक्षणों में आमतौर पर बच्चों को कब्ज की दिक्कत होती है। इसके अलावा चेहरे, हाथ, पैर और गर्दन की मांसपेशियां कमजोर होने, भूख की कमी, सांस लेने में दिक्कत, मुरझाई पलकें और सुस्ती का अनुभव हो सकता है। इसके साथ ही बच्चे को कुछ भी निगलने में परेशानी होती है और मुंह से ज्यादा लार निकलती है।

बीमारी के बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

शिशु बोटुलिज्म को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि एक साल से कम उम्र के बच्चे को शहद नहीं खिलाएं। इसके अलावा बच्चों को शहर के इस्तेमाल से बने किसी भी प्रोसेस्ड फूड से दूर रखना चाहिए। बच्चों के लिए खाना बनाते वक्त सब्जियों को अच्छी तरह पकाएं। इससे बैक्टीरिया को मारने और अंतर्ग्रहण के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके साथ ही बच्चों को धूल-मिट्टी से भी दूर रखें।

कैसे करें इस बीमारी का इलाज?

शिशु बोटुलिज्म के इलाज के लिए डॉक्टर बोटुलिज्म इम्यून ग्लोब्युलिन इंट्रावीनस नामक एंटीटॉक्सिन का इस्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसी प्राथमिक दवा है जो बोटुलिज्म के लक्षणों को बिगड़ने से रोकती है और बच्चों को तेजी से ठीक होने में मदद करती है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर बच्चे को सांस लेने में मदद के लिए वेंटिलेटर पर रखा जा सकता है। अगर दूध पिलाने में परेशानी हो तो डॉक्टर उनकी नसों में तरल पदार्थ भी भर सकते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

आत्मानंद स्कूल में उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ मिल रही है गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सकारात्मक सोच से प्रदेश सरकार ने उन परिवारों के सपनों को साकार करने का बीड़ा उठाया है जो कमजोर, आर्थिक स्थिति की वजह से अपने बच्चों को महंगे अंग्रेजी निजी स्कूलों में शिक्षा दिलाने में समर्थ नहीं थे।

छत्तीसगढ़ शासन ने गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों के बेहतर शिक्षा के प्रबंध में एक और कड़ी को शामिल कर लिया है। यह कड़ी अंग्रेजी मीडियम के सरकारी स्कूल हैं, जहां बच्चों को निःशुल्क राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से दिए जाने की पहल शुरू की गई। राज्य के छात्रों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं के काबिल बनाने के उद्देश्य से अंग्रेजी मीडियम में अध्ययन-अध्यापन को बढ़ावा देने के लिए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम के स्कूल की शुरूआत की गई । उत्कृष्ट शिक्षा का संकल्प लिए अंग्रेजी माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। स्कूलों में अत्याधुनिक लाइब्रेरी, लैब, कम्प्यूटर और साइंस लैब के साथ ही खेल एवं कलात्मक गतिविधियों सहित सुविधायुक्त खेल मैदान की भी पूरी सुविधा उपलब्ध है।

स्कूल में मिलने वाली उच्च स्तरीय सुविधा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर धमतरी के बठेना स्थित सेजेस की दसवीं कक्षा की छात्रा नैंसी मिश्रा ने कहा यहां स्कूल भवन, कक्षाएं काफी उन्नत है, साथ ही पुस्तकालय तथा विभिन्न प्रयोगशालाओं की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे स्कूल में हरियाली है तथा हमें इतनी सारी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हो रही है इसके लिए वे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद करतीं हैं। वहीं स्कूल के हेड बॉय अमन कुमार साहू ने बताया कि पहले वे निजी स्कूल में पढ़ाई करते थे, जहां की फीस ज्यादा थी इसलिए वे सेजेस धमतरी में दाखिला लिया। यहां आकर उन्हें हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौंका मिला।

उन्होंने बताया कि इस साल प्रदेश स्तरीय आत्मानंद खेल इवेंट में सिल्वर मेडल तथा पिछले वर्ष मीडिया क्रीज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। गौरतलब है कि बठेना स्थित सेजेस में नर्सरी से लेकर बाहरवीं तक की कक्षाएं लगती हैं, जिसमें 977 विद्यार्थी अध्ययनरत है। इसी कड़ी में ग्राम कोलियारी से स्कूल आने वाली बाहरवीं के जीव विज्ञान विषय की छात्रा प्रियांशी मिश्रा ने बताया कि वे दो बहनें हैं, जो पिछले दो वर्षों से यहां पर अध्ययन कर रही हैं। गौरवान्वित छात्रा प्रियांशी ने कहा कि उसे गर्व कि वह सेजेस में अध्ययन करती है।

खास खबर

नशा मुक्ति में शिक्षा की भूमिका अहम है - कलेक्टर

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा की अध्यक्षता में जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर रोकथाम के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नारको-कोर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने आयोजित बैठक में जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार और परिवहन पर रोकथाम पर चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक से जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार और परिवहन पर रोकथाम पर चर्चा करते हुए पुलिस, नारकोटिक्स और आबकारी विभाग की ओर से समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस विभाग,आबकारी विभाग, औषधि विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, नगरीय प्रशासन, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवम वन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध मादक पदार्थों के व्यापार को नियंत्रण करने विशेष कार्य योजना बनाएं जिससे सूरजपुर जिला नशा मुक्त जिला बने उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी स्कूलों में व्यापक प्रचार प्रसार करने कहा क्योंकि शिक्षा की भूमिका नशा मुक्ति में अहम है उन्होंने नशा मुक्ति अभियान बेहतर करने निर्देशित किया। उन्होंने नशा पीड़ित व्यक्ति को नशा मुक्ति केंद्र लाने निर्देशित किया एवं वन समित के सदस्यों, स्थानीय प्रतिनिधियों को जागरूक करने निर्देशित किया।

बसना में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से की भेंट-मुलाकात

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विकास कार्यों के लिए दी करोड़ों की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शाम महासमुंद जिले के विकासखण्ड बसना में विभिन्न समाज एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमण्डल से भेंट-मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर एक-एक कर सभी समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधियों से सामाजिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी लेने के साथ ही उनसे शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में भी फीडबैक लिया।

मुख्यमंत्री से कोलता समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर 27 प्रतिशत आरक्षण बिल पारित करने के लिए आभार व्यक्त किया। गढ़फुलझर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए भी प्रतिनिधि मंडल ने आभार व्यक्त किया। सिख समाज के प्रतिनिधियों ने नानक सागर को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा के लिए आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री को कृपाण भेंट की। मुख्यमंत्री से आदिवासी गोड़ समाज के प्रतिनिधि मंडल ने बसना और गढ़फुलझर में सामाजिक भवन की मांग की। कुम्भकार समाज ने इलेक्ट्रानिक चाक और 5 एकड़ जमीन की जरूरत बताई।

मुख्यमंत्री ने कुम्भकार समाज के प्रतिनिधियों को अंग्रेजी खपरेल बनाने का सुझाव दिया। सतनामी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने बसना में मुक्तिधाम स्वीकृत करने का आग्रह किया। मरार पटेल समाज द्वारा धर्मशाला, संवरा समाज द्वारा पिथौरा में भवन और देवांगन समाज द्वारा भंवरपुर में भवन के लिए राशि की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के पास स्वयं की जमीन होने पर नियमानुसार राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार बड़गांव की सरपंच ने गौठान में तार फेंसिंग के लिए राशि की मांग की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न समाजों की मांग पर सामाजिक भवन और अन्य कार्यों के लिए अघरिया समाज को ग्राम पैता में विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रूपए मंजूर किए। इसी प्रकार कलार समाज के प्रतिनिधि मंडल की मांग पर कन्या छात्रावास के लिए जमीन होने पर 20 लाख रूपए, फुलझर में तेली समाज के सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रूपए, ब्राम्हण समाज पिथौरा के लिए 20 लाख रूपए, मसीह समाज जगदीशपुर के लिए 20 लाख रूपए, मुस्लिम समाज बसना के लिए 15 लाख रूपए, सरपंच ग्राम किसनपुर की मांग पर विकास कार्यों के लिए 15 लाख रूपए, पिथौरा में मुस्लिम समाज के कब्रिस्तान में बाउंड्रीवाल हेतु फेंसिंग और जमात खाना के लिए 10 लाख रूपए, ब्राम्हण समाज बसना के लिए 10 लाख रूपए, कैथोलिक चर्च और मेनोनाइट चर्च के ट्रस्ट के लिए 10 लाख रूपए स्वीकृत किए।

नवीन आगाज के साथ भाजपा जिला कार्यसमिति बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। आगामी कार्य योजना और विधानसभा के चुनाव के मद्देनजर संगठन में कसावट लाने भारतीय जनता पार्टी जिला कोंडागांव, की जिला कार्यसमिति गोड़वाना भवन बड़े राजपुर में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया , संगठन के कार्य की समीक्षा , एवं रणनीति चुनाव के दृष्टिकोण से लोकसभा प्रवास कार्यक्रम , मोर आवास मोर अधिकार, कार्यक्रम की रूप रेखा निर्धारण हेतु जिला संगठन प्रभारी श्रीनिवास राव मद्दी , जी के मार्गदर्शन में किया गया ,

बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष दीपेश अरोरा, प्रदेश कार्य. सदस्य भाजपा मनोज जैन,केशकाल विधानसभा प्रभारी, टेकेश्वर जैन, जिला महामंत्री तरुण साना, आकाश मेहता, ओमप्रकाश टावरी, राजेंद्र नेताम, सेवक राम नेताम, संगीता पोयाम, चंदन साहू , ईना श्रीवास्तव लक्ष्मी ध्रुव, झरीराम सलाम, रामेश्वर उसेंडी, परदेशी नाग, हेमचंद देवांगन, रामकुमार कश्यप, जैनेंद्र सिंह ठाकुर, जसकेतु उसेंडी, अजय सिंह ठाकुर, नवदीप सोनी, विजय पोया, प्रशांत पात्र, संजीव पोयाम, अंजोरी नेताम गणेश दुग्गा लक्ष्मी ध्रुव, द्रौपदी पांडे, दीपा नेताम, कुलवंत सिंह चहल, सुभाष पाठक, जीवन दास मानिकपुरी, दिनेश नेताम राजकिशोर राठी गीतेश पांडे, वीरेंद्र बघेल महेश नेताम एवं प्रमुख कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

मर्दापाल विद्युत वितरण केन्द्र का विधायक चंदन कश्यप ने किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा ग्रामीणों की मांग पर की गई थी घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष एवं नारायणपुर विधायक चंदन कश्यप द्वारा मर्दापाल में नये विद्युत वितरण केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होने क्षेत्र के लोगो को बधाई देते हुए कहा कि 20 मई 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मर्दापाल क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा मांग पर विद्युत आपूर्ति की समस्या को देखते हुए विद्युत वितरण केन्द्र की स्थापना के निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत् कनिष्ठ अभियंता कार्यालय एवं विद्युत वितरण केन्द्र स्थापित होने से अब मर्दापाल एवं आस-पास के 24 ग्राम पंचायतों के अतंर्गत आने वाले 51 गांवों के लगभग 5202 उपभोक्ताओं को लोवोल्टेज एवं लोड शेडिंग की समस्या से राहत मिलेगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री द्वारा भेंट मुलाकात कार्यक्रम में जिले के 04 अन्य क्षेत्रों में नवीन विद्युत वितरण केन्द्रों की घोषणा की गई थी। इन केन्द्रों के बन जाने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत प्राप्त होगी।

इस संबंध में कार्यपालन अभियंता एमके शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा अपने कोण्डागांव प्रवास के दौरान ग्रामीणों की मांग पर विद्युत आपूर्ति संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए 04 विद्युत वितरण केन्द्रों की स्थापना निर्देश दिये गये थे।

जिसके अंतर्गत विद्युत उपसंभाग केशकाल अंगर्गत बहिगांव एवं विद्युत कोण्डागांव विद्युत उपसंभाग-1 अंतर्गत मर्दापाल केन्द्रों को प्रारंभ कर दिया गया है। वहीं कोण्डागांव विद्युत उपसंभाग 2 के अंतर्गत बिजापुर एवं चिपावंड में भी विद्युत वितरण केन्द्रो को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर सहायक यंत्री एमआर तारम एवं रोहित मण्डावी उपस्थित रहे।

बहिगांव वितरण केन्द्र का हुआ शुभारंभ

सोमवार को केशकाल विद्युत उपसंभाग अंतर्गत स्वीकृत बहिगांव विद्युत वितरण केन्द्र का जगदलपुर क्षेत्र कार्यपालक निर्देशक सहदेव सिंह ठाकुर द्वारा शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि बहिगांव में केन्द्र स्थापित होने से आस-पास के 18 ग्राम पंचायतों के अधीन 43 ग्रामों के लगभग 7722 उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता कांकेर सीएच मरकाम, कोण्डागांव संभाग के कार्यपालन अभियंता एमके शुक्ला, सहायक यंत्री एलएस टेकाम एवं रोहित मण्डावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अधोसंरचना विकास के साथ जरूरतमंदों को रोजगार मुहैया कराने में सहायक बनी मनरेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना न केवल रोजगार देने का कार्य कर रही है। वहीं ग्रामीण स्तर पर अधोसंरचना विकास का कार्य भी कर रही, व्यक्तिगत कार्यो के साथ ही साथ समाज के लिए विभिन्न कार्यो की भी निर्माण किया जा रहा है। जिससे गांव से सभी वर्गो के व्यक्ति लाभान्वित हो रहे है।

मनरेगा अन्तर्गत जहां आंगनबाड़ी भवन निर्माण कर गांव के 0 से 6 साल के बच्चों की पोषण और स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करने, बच्चे के शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए नींव रखने, मां को उचित पोषण और स्वास्थ्य की शिक्षा देने, बाल विकास को बढ़ावा देने में मनरेगा का विशेष योगदान भवन निर्माण कर दिया जा रहा है। ऐसा हि 01 आंगनबाड़ी निर्माण कार्य जिले के विकासखण्ड छुरा के ग्राम पंचायत पीपरछेड़ी में हुआ है। ग्राम पीपरछेड़ी के व्यापारी पारा में आंगनबाड़ी भवन न होने के कारण पिछले 02 वर्षो से किराये के मकान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच के प्रयास से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत आंगनबाड़ी भवन निर्माण कर अपने ग्राम में बच्चे एवं महिलाओ को पोषण और स्वास्थ्य विकास में विशेष योगदान दिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम सभा में कार्य अनुमोदन पश्चात् जनपद पंचायत छुरा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके लिए जनपद पंचायत स्तर पर तकनीकी सहायक द्वारा तकनीकी प्राक्कलन तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति के लिए जिला कार्यालय भेजा गया जो कि वर्ष 2019-20 में मनरेगा के तहत् 6.45 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई। जिससे निर्माण का कार्य प्रारंभ करने के पूर्व ग्राम पंचायत में रूपरेखा तैयार किया गया और पंचायत के ग्रामीण परिवार जो मनरेगा के तहत् पंजीकृत है और मजदूरी कार्य के चाह रखने वालों का चयन कर मजदूरी के लिए लगाया गया। मजदूरो द्वारा कार्य का निष्पादन कर निर्माण कर पूर्ण किया गया साथ ही तैयार कर कार्य विवरण बोर्ड पर अंकित किया गया।

आंगनबाड़ी भवन निर्माण से व्यापारी पारा पिछले 02 सालों से किराये में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी के लिए भवन मिल गया जिससे अब आंगनबाड़ी संचालन के लिए किराये नही देना पड़ेगा साथ 0 से 6 साल के बच्चों के साथ हि साथ महिलाओ की पोषण और स्वास्थ्य विकास अच्छे सुविधाएं प्राप्त होगी। भवन निर्माण से एक ओर जहां भवन का निर्माण हुआ वही गांव के ही मनरेगा मजदूरो रोजगार भी प्रदाय किया गया है।

।। न्यायालय तहसीलदार दुर्ग, जिला- दुर्ग।।
मामला क्रमांक / / सन् 2022-23
उदघोषणा-पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है- आवेदक दैनिक चिन्तक छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित सांध्य दैनिक के द्वारा दुर्ग जिले में दैनिक चिन्तक समाचार पत्र का प्रकाशन पिछले 55 वर्ष से लगातार हो रहा है। दुर्ग जिले का सबसे पुराना और सबसे पहला समाचार पत्र है, समाचार पत्र दैनिक चिन्तक का पंजीयन क्रमांक-63636 है। अविभाजित मध्य प्रदेश में दैनिक चिन्तक 36 वें नंबर पर रहा है। दैनिक चिन्तक समाचार पत्र ने इस समयावधि के दौरान देश व प्रदेश के पाठको के बीच अपनी एक अलग जगह बनाई है। समाचार पत्र के प्रकाशन के बदलते स्वरूप और अत्याधुनीकरण के बीच वर्तमान में प्रिन्ट व डिजीटल में दैनिक चिन्तक समाचार पत्र के तीन लाख पाठक है । समाचार पत्र के लगातार बढ़ते प्रभाव व प्रकाशन के लिए इस्तेमाल हो रही तकनीकी के मद्देनजर समाचार पत्र व प्रेस के लिए एक बड़ी जगह की आवश्यकता है शासन की नीति के अनुरूप समाचार पत्र को शासकीय जमीन के आबंटन का प्रावधान है । दैनिक चिन्तक समाचार पत्र को प्रकाशन से लेकर अब तक एक बार भी शासकीय जमीन के आबंटन का लाभ नही मिला है। माननीय महोदय से अनुरोध है कि मिनी माता चौक से गोकुलनगर के बीच जी. ई. रोड पर खसरा क्रमांक- 132/2 की रिक्त शासकीय जमीन से 7500 वगफीट भूखंड रियायती दर पर प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र नजूल अधिकारी दुर्ग दिनांक 18/11/22 के माध्यम से इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। जिसमें आवेदक द्वारा दिनांक 7/12/22 को संशोधित आवेदन प्रस्तुत कर मौजा-पुलगांव, प.ह.न. 25, तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 262/7 का द्.रकबा 7500 वर्गफीट को रियायती दर पर प्रदान करने का आवेदन किये जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 10/1/23 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकतें है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 8/12/22 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

तहसीलदार
जिला दुर्ग (छ.ग.)

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में 5 नवजातों की मौत के मामले में दो डॉक्टर सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती 5 नवजात बच्चों की मौत के मामले में कार्रवाई करते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग के अवर सचिव ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया है। घटना की रात डॉक्टर ड्यूटी से नदारद थे। वहीं डॉ. लखन सिंह से एमएस का पद छीन लिया गया। इसके अलावा इस घटना से 7 दिन पूर्व हुए जच्चा-बच्चा की मौत मामले में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर को भी सस्पेंड किया गया है। ये जानकारी होने के बाद भी घटना की रात ड्यूटी पर नहीं पहुंचीं थीं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मांगा था रिपोर्ट

पांच दिसंबर केा रात में बिजली गुल होने के बाद एक-एक कर नवजातों ने दम तोड़ा था। इस मामले में काफी हंगामा होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने 48 घंटे के भीतर जांच रिपोर्ट मांगी थी। हालांकि जांच में बिजली गुल से मौत का कोई लेना-देना नहीं बताया गया था, बच्चों की मौत का कारण गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की बात कही गई थी।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नवजातों की मौत मामले में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अवर सचिव ने 2 डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की है। 5 दिसंबर को जब नवजातों की मौत का मामला सामने आया तो स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया था। जांच पश्चात अवर सचिव ने सीनियर रेसीडेंट (शिशु रोग विशेषज्ञ) डॉ. कमलेश प्रसाद विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जांच में यह पाया गया कि एसएनसीयू में भर्ती बच्चे गंभीर थे, इसके बाद भी 4 दिसंबर की रात डॉ. कमलेश ड्यूटी पर उपस्थित नहीं थे। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में उन्हें सूरजपुर जिले के जिला चिकित्सालय सह अधीक्षक कार्यालय में अटैच किया गया है।

अस्पताल अधीक्षक को पद से हटाया

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अवर सचिव ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक व मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. लखन सिंह के खिलाफ भी कार्रवाई की है। अवर सचिव ने उन्हें अस्पताल अधीक्षक के पद से मुक्त करते हुए उनकी जगह डॉक्टर आरसी आर्या को संचालक सह प्राध्यापक पैथोलॉजी विभाग के साथ अस्पताल अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा है।

कुम्हारी फ्लाईओवर हादसे में बड़ी कार्रवाई

कंस्ट्रक्शन कंपनी का असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी में नेशनल हाइवे पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंस्ट्रक्शन कंपनी के असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। कुम्हारी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाईओवर बनाने वाली रॉयल इंफ्रा कंस्ट्रक्शन के असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर पियूश पाढ़ी को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है।

दस दिसंबर की अल सुबह कुम्हारी फ्लाईओवर से गिरकर एक बाइक सवार पति-पत्नी की मौत हो गई थी। वहीं बाइक में सवार उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल है। इस हादसे के बाद पुलिस ने लापरवाह ठेकेदार पर अपराध दर्ज कर लिया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाईओवर पर हादसे के वक्त कोई भी बैरियर, डायवर्सन और फ्लाईओवर अनिर्मित होने के स्पष्ट निर्देश के अभाव में भटक कर मोटर साइकिल चालक पत्नी अपनी बेटी के साथ अर्धनिर्मित फ्लाईओवर पर पहुंचा था। आगे सड़क न होने का अंदाजा न होने से फ्लाईओवर से नीचे गिर गया। जिससे पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई थी।

दस दिसंबर को घटना के कुछ ही समय बाद जब पुलिस एक तरफ बैरियर लगाने में जुटी थी तभी फ्लाईओवर की तरफतेज गति से एक कार घुसी। फ्लाईओवर में गड्ढे के पास कोई भी स्टॉपर के अभाव में और फ्लाईओवर पूरी तरह से निर्मित जैसी दिखने के भ्रम में तेज गति से कार उसी स्थान पर जा गिरी। कार का एयरबैग खुलने से चालक सुरक्षित बच गया लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई थी।

खास खबर

7 दिन पहले गायब हुई मासूम बच्ची की मिली सड़ी-गली लाश रेप के बाद हत्या की आशंका

रायपुर। राजधानी रायपुर के सड्डु के बीएसयूपी में एक सप्ताह से लापता 8 साल की मासूम बच्ची की सड़ी-गली लाश झाड़ियों में मिली है। 7 दिसंबर की शाम से लापता बच्ची का शव सड्डु सेक्टर 8 के खुले मैदान में मिला है। घर के सामने से मासूम खेलते हुए गायब हो गई थी। बच्ची की मां ने किडनैपिंग की आशंका जताई थी।

रायपुर पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बच्ची के साथ रेप कर मर्डर करने की भी आशंका जताई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार आरोपियों की तलाश कर रही है।

इस मामले में विधानसभा थाने की पुलिस ने किडनैपिंग का केस दर्ज किया था। पुलिस गुमशुदा बच्ची की तलाश की रही थी। बच्ची बुधवार की शाम करीब 6 बजे सड्डु के बीएसयूपी कॉलोनी से लापता हुई थी। यहीं इसका घर भी है। बच्ची की मां अल्पना ने बताया कि उसे शक है एक सफेद रंग की कार में आया शख्स बेटी को उठा ले गया था। गुमशुदा बच्ची का नाम दुर्गा यादव था। 8 साल की दुर्गा की 3 बहनें और एक छोटा भाई है। बहनों के साथ दुर्गा खेल रही थी। मां ने बताया कि उसकी बड़ी बहनें कुछ खाने के लिए घर आईं। मैंने देखा एक सफेद कार के पास बेटी खड़ी थी। मैंने उसे आवाज दी कि वो इधर आ जाए, मगर वो खेलकर आउंगी कहने लगी। कुछ देर बाद जब मेरा ध्यान गया वो कार भी गायब थी और मेरी बेटी भी।

रेलवे ट्रैक पार करते समय पिता-पुत्र आए ट्रेन की चपेट में, दोनों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रेलवे ट्रैक पार करते समय एक पिता-पुत्र ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना बिलासपुर के कोटा थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक कोटसागरपारा निवासी श्याम कारे (50) रोजी मजदूरी करता था। उसकी पत्नी तुलसा कारे (46) और बेटा उमेश कारे (29) भी उसके साथ काम करते थे। शराब के नशे में पिता-पुत्र ट्रेन की चपेट में आ गए।

पैदल लौट रहे थे गांव

पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात तीनों रिश्तेदारी में कोटा आए थे। रात में पिता-पुत्र ने शराब पी रखी थी। तीनों खाना खाने के बाद रात में ही पैदल गांव जाने के लिए निकल गए। तुलसा कारे उनके आगे-आगे चल रही थी, जबकि, श्याम और उसका बेटा पीछे था। इसी दौरान तीनों रेलवे ट्रैक पर पहुंचे। तुलसा पटरी पार करके आगे बढ़ गई। शराब के नशे में पिता-पुत्र ट्रेन की चपेट में आ गए। बेटे की जहां घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पति ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। मंगलवार को दोनों के शव का पीएम करने के बाद पुलिस ने परिजनों को बॉडी सौंप दी।

भिलाई स्टील प्लांट में बड़ा हादसा: कन्वेयर बेल्ट के रोलर की चपेट में आने से ठेका कर्मी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक ठेका कर्मी की जान चली गई है। बताया जा रहा है कि ठेका कर्मी कन्वेयर बेल्ट की रोलर की चपेट में आ गया था जिसका वजन करीब 8 टन है। हादसे के बाद ठेका कर्मी को तत्काल मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। ठेका श्रमिक के शव को सेक्टर-9 अस्पताल की मरच्यूरी में रखवाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर बाद यह दर्दनाक हादसा हुआ। बाताया जा रहा है कि हादसा लगभग 4 बजे के करीब हुआ है। ठेका कर्मी कान्हा चरण मेहर ठेका कर्मी है और आर्यनगर कोहका का निवासी था। एसपी - 2 क्षेत्र में काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि कन्वेयर बेल्ट के रोलर को सेट किया जा रहा था इस दौरान ठेका कर्मी कान्हा हादसे का शिकार हो गया है। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कान्हा को जब मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया जा रहा था उसी समय उसकी मौत हो चुकी थी।

हादसे के संबंध में भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग प्रमुख जैकब कुरियन ने बताया कि एसपी -2 में हादसा हुआ है। हादसे में ठेका कर्मी कान्हा करण मेहर की मौत हो गई। कर्मी को जब मेन मेडिकल पोस्ट लाया गया था तभ तक उसकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल घटना के संबंध में अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है।

पुलिस की नशे के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई ब्राउन शुगर बेचते पकड़ाई महिला

दुर्ग। दुर्ग शहर में एक महिला ब्राउन शुगर बेचते हुए पकड़ाई है। पुलिस ने छापेमार कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि कबीरधाम जिले के पोंडी की रहने वाली महिला दुर्ग के मिल पारा में मदाक पदार्थों का अवैध करोबार लंबे समय से कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर आरोपी महिला रेशमा खान, पति अनवर खान को गिरफ्तार कर लिया गया है।

47.730 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि महिला के कब्जे से कुल 47.730 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। पकड़े गए मादक पदार्थ का मूल्य लगभग 31,410 रुपए है। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है ताकि नशे के बड़े सौदागार पकड़े जा सके।

बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद शव को पेड़ से बांधकर जलाया, पुलिस ने बरामद की अधजली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। जिले में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। मंगलवाल को पुलिस जिले के उदयपुर स्थित कोसाबाड़ी नर्सरी से एक बुजुर्ग महिला की अधजली लाश बरामद किया है। महिला महिला की शिनाख्त बीफइया अगरिया (65) के रूप में किया गया। खासबात यह है महिला का शव बंधा हुआ था। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जिस महिला की लाश मिली है वह करीब एक सप्ताह पहले इस क्षेत्र में देखी गई थी। उदयपुर स्थित रेस्ट हाउस के पीछे कोसाबाड़ी में काम करने वाली महिला ने सबसे पहले महिला का शव बंधा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए भेजा। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या के बाद पेड़ से बांधकर जला दिया गया। शव पूरी तरह से जल नहीं पाया है।

इधर शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने बताया कि महिला की मौत भूख से होने की पुष्टि की जा रही है। हालांकि पुलिस अभी इस मामले में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही है। पुलिस फिलहाल इसकी जांच कर रही है जिसमें महिला के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। एसपी भावना गुप्ता ने कहा है कि वहीं फॉरेंसिक टीम सैंपल कलेक्ट कर जांच कर रही है। जल्द ही इसकी गुत्थी सुलझाई जाएगी।

सरकारी स्कूल में चोरी, एलईडी टीवी सहित कंप्यूटर व होम थिएटर तक उड़ा ले गए बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के बोरी थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में चोरों ने धावा बोला। रविवार को छुट्टी होने के कारण स्कूल बंद था और इस बीच चोरों ने अपना काम कर दिया। सोमवार को जब स्कूल खुला तो इसकी जानकारी हुई। इस मामले में स्कूल के हेडमास्टर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। फिलहाल चोरों की तलाश की जा रही है।

बोरी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 11 दिसंबर रविवार से 12 दिसंबर सोमवार के बीच की है। शनिवार को स्कूल की छुट्टी के बाद स्कूल बंद कर दिया गया। रविवार को छुट्टी होने के कारण सोमवार सुबह चपरासी जब स्कूल पहुंचर तो उसने स्कूल के हेडमास्टर गणेश्वर प्रसाद देशलहरे की स्कूल के सामने के गेट का ताला टूटा हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर स्कूल के अंदर जाकर देखा तो कम्प्यूटर रूम दरवाजे का भी ताला टूटा मिला। स्कूल के कक्ष क्रमांक 2 में रखी कलर TV 40 इंच, कम्प्यूटर सामाग्री, LCD, CPU, की-बोर्ड, माउस E क्लास रूम में 01 बाक्स होम थियेटर आदि चोरी हो गए। प्राचार्य की शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 70 से 80 हजार के बीच बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles

Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

निगम आयुक्त रोहित व्यास ने कार्य विभाजन कर अभियंताओं को सौंपा दायित्व

भिलाई। भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास ने कार्य विभाजन कर अभियंताओं को विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदारी दी है। इसके तहत बीके देवांगन, प्रभारी अधीक्षण अभियंता को नोडल अधिकारी दुर्ग जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना तथा अमृत मिशन 77 एवं 66 एमएलडी के कार्यों के लिए नोडल अधिकारी का दायित्व, परियोजना शाखा, जोन क्रमांक 1, 2 एवं 3 के प्रभारी अधीक्षण अभियंता का दायित्व। दीपक जोशी प्रभारी अधीक्षण अभियंता को नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना, सरोवर जल धरोहर संरक्षण, प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना, विधानसभा से संबंधित, 14 वे एवं 15 वे वित्त आयोग, पौनी पसारी योजना, मुख्यमंत्री घोषणा, खनिज न्यास मद, जिला योजना सांख्यिकी विभाग, राज्य स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक, परियोजना शाखा, राज्य एवं जिला स्तरीय वीडियो कांफ्रेंसिंग, कलेक्टर सेक्टर जिला दुर्ग से संबंधित समस्त जानकारी एकत्रित कर प्रेषित करना, परियोजना शाखा से संपादित कार्य, जोन क्रमांक 3 बीएसपी के वार्ड, जोन क्रमांक 4 एवं जोन क्रमांक 5 के प्रभारी अधीक्षण अभियंता, शासन को समय-समय पर भेजी जाने वाली समस्त जानकारी एकत्र का प्रेषित करने का दायित्व सौंपा गया है।

मिल्स जोन-1 में नई चेतना कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेन्ट मिल एवं वायर रॉड मिल के महिला ठेका श्रमिकों के लिये दिनांक 12 दिसम्बर 2022 को नई चेतना कार्यक्रम का आयोजन मर्चेन्ट मिल एवं वायर रॉड मिल के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला ठेका श्रमिकों को वैधानिक अधिकारों, कल्याणकारी सुविधाओं, सुरक्षा, स्वास्थ्य, महिला उत्पीड़न, वेतन सुविधाओं, सीपीएफ एवं स्वच्छता के बारे में जागरूक कराना था। महाप्रबंधक (विद्युत-डब्ल्यूआरएम) प्रणव कुमार ने प्रतिभागीयों का स्वागत करते हुए सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हर किसी को सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनानी चाहिये एवं सभी से आग्रह किया कि वो सुरक्षा एवं अन्य विषयों पर दी जा रही जानकारी को ध्यान पूर्वक ग्रहण करें। महाप्रबंधक जेवियर बेक ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्य कर रहे हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य एवं जिम्मेदारी, अधिकार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित सही जानकारी होनी चाहिए।

चार दिवसीय एपीएल क्रिकेट मैच का आगाज कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अग्रवाल यूथ क्लब, भिलाई राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट अग्रसेन प्रीमियर लीग (एपीएल)- सीजन 1 का आयोजन 15 दिसंबर से 18 दिसंबर तक पं. दीनदयाल स्टेडियम, न्यू खुर्सीपार, भिलाई किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों जैसे भिलाई, दुर्ग, रायपुर, राजनांदगांव, धमतरी और रायगढ़ से 16 टीमें हैं। 15 और 16 दिसंबर को 8 नॉकआउट मैच खेले जाएंगे और 17 दिसंबर को 4 क्वाटरफाइनल मैच खेले जाएंगे।

प्रदेश भर से जुटेंगे 16 टीमें

यूथ क्लब के अध्यक्ष मधुर अग्रवाल ने बताया कि वहीं 18 दिसंबर को 2 सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। फाइनल मैच शाम 6:00 बजे से शुरू होगा। एक मैच 18 दिसंबर को 10 से 15 साल के बच्चों द्वारा भी खेला जाएगा। वहीं इस एपीएल मैच में इंट्री फीस 5100 रू. रखी गई है। यह पूरा टूर्नामेंट इंटडरनेशनल लेवल का होगा और सारे मैच 10 ओवर का रहेगा। वहीं फाइनल मैच 12 ओवर का खेला जाएगा। इस एपीएल मैच में विजेता टीम को 51000 रू. की राशि का पुरस्कार व रनरअप टीम को 31000 रू. का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं मैच के दौरान दर्शकों के लिए भी पुरस्कार को योजना है जो मैच के दौरान अपनी बेस्ट गतिविधि से मनोरंजन करेगा उसको बेस्ट दर्शक होने का पुरस्कार दिया जाएगा।

कार्यक्रम का शीर्षक प्रायोजक रूंगटा पब्लिक स्कूल, सह-प्रायोजक अल्ट्राकेयर टीएमटी, अग्रवाल इस्पात एंड एवन इलेक्ट्रॉनिक्स, एसोसिएट पार्टनर होटल सेंट्रल पार्क एंड क्रॉसरोड रेस्तरां है। कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक आशीष अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल और अंकित बंसल हैं। आयोजन समिति में आशीष अग्रवाल, विकुल अग्रवाल, वैभव जैन, योगेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, अतुल गर्ग, निखिल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, नितेश जैन, नितिन अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, सिद्धार्थ बंसल, अंकित गोयल, हरीश अग्रवाल, सुनील जैन, पिंटू जैन और राहुल अग्रवाल है।

दुर्ग पुलिस की रेंज स्तरीय मानव अधिकार वाद विवाद स्पर्धा, 7 जिलों के पुलिस के जवान हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग आनंद छाबड़ा के मार्गदर्शन में मंगलवार को मानव अधिकार एवं मानव अधिकार के प्रति जागरूकता लाने के लिए पुलिस बल के जवानों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर 6 में आयोजित किया गया। वाद विवाद प्रतियोगिता में दुर्ग से आरक्षक गीतेश्वर निर्मलकर प्रथम, कबीरधाम से प्रधान आरक्षक वसीम रजा कुरैशी द्वितीय, बेमेतरा से सहायक उपनिरीक्षक अरविंद शर्मा तृतीय रहे। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक दुर्ग डॉक्टर अभिषेक पल्लव के द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को मानव अधिकारों के संरक्षण के संबंध में किए गए प्रयासों की जानकारी दी गई। प्रतियोगिता में अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय कुमार ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनंत कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी प्रभात कुमार झा, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर निखिल अशोक रखेजा, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग वैभव बैंकर, उप पुलिस अधीक्षक अपराध नसर सिद्धकी उपस्थित हुए। दुर्ग रेंज में जिला दुर्ग, जिला बालोद, जिला बेमेतरा, जिला राजनांदगांव, जिला मानपुर मोहला, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई, जिला कबीरधाम के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जिला प्रशासन की योजना, तैयार होंगे नेशनल-इंटरनेशनल प्लेयर, हर स्टेडियम में होंगे कोच

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में खेल की शानदार अधोसंरचना बीते चार साल में खड़ी हुई है और तेजी से तैयार भी हो रही है। इसका लाभ उठाकर नेशनल-इंटरनेशनल प्लेयर तैयार करने के लिए जिला प्रशासन ने योजना बना ली है। हर स्टेडियम में एक कोच होंगे। हर स्टेडियम में सुविधा अनुसार अलग-अलग तरह के खेलों का प्रशिक्षण होगा।

जिले में 20 से अधिक खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध होगा। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने इस संबंध में की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, अरविंद एक्का, नगर निगम भिलाई आयुक्त रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, दुर्ग निगम आयुक्त लक्ष्मण तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के चिन्हांकन के लिए विशेष अभियान जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा है। इनके रिहैबिलेटेशन के लिए संवेदना सेंटर बनाया जाएगा। इस सेंटर में इनके रहने-खाने की सुविधा के साथ ही इलाज की सुविधा भी होगी ताकि एक बार पुन: व्यवस्थित रूप से जीवन आरंभ कर सकें। इस दिशा में अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा भी उन्होंने की। इस सेंटर के पास ही ओल्ड एज होम भी बनाया जाएगा, यहां पर बुजुर्गों के लिए सभी तरह की सुविधाएं होंगी। इस संबंध में की गई प्रगति की जानकारी भी उन्होंने ली।

कलेक्टर ने एनीमिया मुक्त दुर्ग अभियान चलाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि एनीमिक महिलाओं के लिए विशेष रूप से डाइट चार्ट तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही कुपोषित बच्चों के लिए भी स्थानीय चलन के मुताबिक डाइट चार्ट तैयार करने कहा। उन्होंने कहा कि कुपोषण से निकलना है।

सेल में समान क्षमता वाले फर्नेसों में सबसे तेज लक्ष्य हासिल करने वाला फर्नेस बना बीएसपी का महामाया

सेल-बीएसपी के महामाया ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन कर रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस-8 महामाया ने 12 दिसम्बर, 2022 को 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन के मील के पत्थर को पार कर एक नई उपलब्धि हासिल की। 1775 दिनों में 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन को हासिल करने में सफलता प्राप्त करने के साथ बीएसपी का ब्लास्ट फर्नेस-8 इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को सबसे तेजी से हासिल करने वाला सेल का ब्लास्ट फर्नेस बन गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने इस महती उपलब्धि के लिए महामाया के प्रतिबद्ध सदस्यों और सभी सहायक शॉप्स तथा विभागों को सेल के समान क्षमता वाले अन्य दो ब्लास्ट फर्नेसों से सबसे तेज 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन करने के लिए बधाई दी। 10 मिलियन टन से 11 मिलियन टन की यात्रा को ब्लास्ट फर्नेस ने 144 दिन में पूरा किया। भिलाई इस्पात संयंत्र की आधुनिक ब्लास्ट फर्नेस 'महामाया' उन्नत ऑटोमेशन और नियंत्रण प्रणाली के साथ दैनिक उत्पादन का ग्राफ 2 फरवरी 2018 को शुरू होने के बाद से लगातार बढ़ता रहा है। ब्लोइंग इन के बाद ब्लास्ट फर्नेस-8 ने जहां 1775 दिनों में 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन हासिल किया वहीं राउरकेला स्टील प्लांट में समान क्षमता के ब्लास्ट फर्नेस से 1830 दिन में और इस्को स्टील प्लांट में समान क्षमता के ब्लास्ट फर्नेस से 2067 दिन में 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन कर सका। इस प्रकार बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-8 सेल में सबसे तेज 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन हासिल करने वाला फर्नेस बन गया है। उल्लेखनीय है कि ब्लास्ट फर्नेस-8 को 1 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तक की यात्रा में 165 दिन लगे। इसी प्रकार 2 मिलियन टन से 3 मिलियन टन तक की यात्रा को 161 दिनों में पूरी की। 3 मिलियन टन से 4 मिलियन टन के मील के पत्थर को 155 दिन में प्राप्त कर लिया गया। इसी कड़ी में ब्लास्ट फर्नेस-8 को 4 मिलियन टन से 5 मिलियन टन संचयी उत्पादन की यात्रा को 149 दिन में पूर्ण किया।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 149 दिनों की समान समयावधि 5 मिलियन टन से 6 मिलियन टन तक की यात्रा को पूर्ण किया। 6 मिलियन टन से 7 मिलियन टन की यात्रा को पूरा करने में 141 दिन लगे। 7 से 8 मिलियन टन तक का सफर 154 दिनों में पूरा किया गया। ब्लास्ट फर्नेस-8 की 8 मिलियन टन से 9 मिलियन टन की यात्रा 138 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरी हुई। 9 मिलियन टन से 10 मिलियन टन की यात्रा को ब्लास्ट फर्नेस ने 160 दिन में पूरा किया।

टीएंडडी विभाग के 5 कार्मिक शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सर्विसेस जोन के अंतर्गत टी एंड डी संगठन विभाग में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अन्तर्गत उत्कृष्ट व अनुकरणीय कार्य संपादित करने वाले विभाग के कर्मचारियों को दिनांक 09 दिसम्बर 2022 को शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक प्रभारी (यातायात) के कार्यालय में माह सितम्बर 2022 के लिए चित्र गुप्त कापसे एवं दीनाराम काहरे एवं अक्टूबर 2022 के लिए आरिफमंजर एवं बद्री नारायण चैधरी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जुलाई से सितंबर 2022 तिमाही के लिए विजय कुमार (वरिष्ठ प्रबंधक) को पाली शिरोमणि पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र, स्मारिका, पत्नि के नाम प्रशंसा पत्र एवं मिठाई का कूपन प्रदान किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (यातायात) गोपीनाथ मलिक ने सभी पुरस्कृत होने वाले कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र को ऊँचाइयों तक पहुँचाने में कार्मिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही उनकी पत्नियाँ जो उन्हें परोक्ष रूप से कार्यस्थल पर भेजती है उनका भी योगदान सराहनीय है। कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक) एम डी रेड्डी ने टी एंड डी संगठन विभाग में पुरस्कृत होने वाले कार्मिकों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर पुरस्कृत कार्मिकगणों ने अपना अनुभव साझा किया। समारोह में टी एंड डी संगठन के सभी महाप्रबंधकगण उपस्थित थे।

सिकासा द्वारा विशेष सेमीनार का आयोजन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच के अंतर्गत सिकासा द्वारा भारत में सोसायटी और चैरिटेबल ट्रस्ट की व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर विशेष सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दुर्ग के प्रख्यात सीए रोहित वाधेला उपस्थित थे।

सेमीनार की शुरूआत मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर की गई। तत्पश्चात सिकासा चेयरमेन सीए राहुल बत्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए सेमीनार का महत्व बताया और कहा कि यह किस प्रकार उनके सीए फाइनल एग्जाम में उनकी सहायता करता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए रोहित वाधेला ने छात्रों को बहुत ही सहज तरीके से भारत में सोसायटी और चैरिटेबल ट्रस्ट की व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रांच चेयरमेन सीए प्रदीप पाल, सीए प्रियेश लेखवानी, सीए एनके टांक, सीए बी. विश्वनाथ और सीए बसंत कुमार गुप्ता उपस्थित थे। सेमीनार में से 100 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन रिया गर्ग द्वारा किया गया।

समस्याओं का त्वरित निराकरण, शिविर में पहुंचे विधायक एवं महापौर

प्रशासन तुहंर द्वार: जनसमस्या निवारण शिविर में आस पास के नागरिकों को मिला त्वरित लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रशासन तुंहर द्वार अभियान के तहत चंद्रशेखर आजद स्कूल पंचशील नगर में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन में विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल पहुँचे।शिविर में आस पास के वार्ड 1,2,3,4 एवं 56 पांच वार्डो के नागरिकों ने हिस्सा लिया। विधायक व महापौर ने हितग्राहियो की समस्या सुनी।

जिसमे वार्ड के क्षेत्रवासियों द्वारा कुल आवेदन 32 प्राप्त हुए।शिविर में वार्ड के नागरिको ने हिस्सा लिया और शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी भी हासिल की।जनसमस्या निवारण शिविर में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया,रोगों की जांच एवं दवाई वितरण के लिए शिविर लगाया गया।

विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने 15 दिसम्बर को होने वाले जन समस्या निवारण शिविर के लिए वार्ड के नागरिकों से अपील की है कि अपनी समस्या को लेकर शिविर स्थल पर पहुँचकर निराकरण करावें।आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि प्रशासन तुंहर द्वार अंतर्गत क्षेत्रवासियों के लिए बेहतर अवसर है।क्षेत्रवासी अपनी जागरूकता का परिचय देंगे तो सरकार एवं नागरिक दोनो के समन्वय समस्या का समाधान होगा।शिविर में मौजूद एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,संजय कोहले,हमीद खोखर,मनदीप सिंह भाटिया, श्रीमती महेश्वरी ठाकुर, नरेंद्र बंजारे, मनीष साहू,चमेली साहू,लीना देवांगन,कुमारी साहू,कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,राजेन्द्र ढाबाले,विनोद मांझी सहित अन्य मौजूद रहें। प्रशासन तुंहर द्वार शिविर का आयोजन 15 दिसम्बर दिन गुरुवार को शासकीय तिलक स्कूल, बैगापारा व 1 ड 05, 06, 07, 08 एवं 09 को होगा शिविर का आयोजन। 16 दिसम्बर दिन शुक्रवार को तुलाराम स्कूल, आर्य नगर के लिए वार्ड 10,11, 12 एवं 13 तक समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक शिविर का आयोजन होगा। उक्त शिविर में पेयजल, आवास योजना, राशनकार्ड, सफाई सम्बंधित समस्या, अवैध निर्माण की शिकायत, सड़क बत्ती से सम्बंधित शिकायत या मांग, गुमास्ता लायसेंस, जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीयन,मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना का लाभ एवं इत्यादि निकाय से सम्बंधित समस्याओ के लिए आवेदन स्वीकार कर त्वरित निराकरण किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950